डीआर भोपाल

भोपाल, बैरागढ़, बीएचईएल, गोविंदपुरा, बुदनी, कोलार, बैरसिया | कार्तिक शुक्ल पक्ष 14- 2082 | भोपाल, दिन मंगलवार, दिनांक 04 नवम्बर ,2025

न्यूज गैलरी

मंदिर की आड़ में गैस रिफिलिंग सेंटर, 58 सिलेंडर जब्त

भोपाल। पंजाबी बाग अशोका गार्डन में हाल ही में गैस सिलेंडर ब्लास्ट के बाद खाद्य विभाग का अमला सक्रिय हो गया है। सोमवार को टीम ने दो अवैध रिफिलिंग सेंटरों पर छापा मारा। माता मंदिर चौराहा के पास एक दुकान में मंदिर की आड़ में गैस रिफिलिंग की जा रही थी। यहां से "52 घरेलू सिलेंडर", एक ऑटो, रिफिलिंग मशीनें और तौल कांटे जब्त हुए। संचालकों विजय नाईक और मोईन खान पर केस दर्ज किया गया। कोलार की आशीर्वाद कॉलोनी में भी कार्रवाई कर "8 सिलेंडर" और उपकरण जब्त किए गए।

सूखी सेवनिया में बनेगा 6 लेन फ्लाईओवर, जाम से मिलेगी राहत

भोपाल। भोपाल-विदिशा बायपास पर सूखी सेवनिया में अब 6 लेन फ्लाईओवर बनेगा। करीब 700 मीटर लंबा और 29.5 मीटर चौड़ा" यह स्ट्रक्चर जाम की समस्या खत्म करेगा। पहले 4 लेन का प्रस्ताव था, पर अब बायपास सिक्स लेन होने से फ्लाईओवर भी बढ़ाया गया है। 29 करोड़ की लागत से एमपीआरडीसी निर्माण करेगी। प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप और विधायक रामेश्वर शर्मा भूमि पूजन करेंगे। काम डेढ़ साल में पूरा" होगा। विदिशा मार्ग के लिए सर्विस रोड भी बनेगी।

आठवीं की नाबालिग पर शादी का दबाव, मना किया तो पीछा कर छेड़छाड़

भोपाल। भोपाल के ईदगाह हिल्स में 16 वर्षीय आठवीं की छात्रा से छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। आरोपी युवक इस्लाम पर एक साल से उससे परिचित था और शादी का दबाव बना रहा था। परिवार ने उम्र कम होने पर इनकार किया तो आरोपी पीछा करने, गाली देने और धमकाने लगा। शनिवार को उसने पीड़िता के माता-पिता को अपशब्द कहे और एक युवक से मारपीट की। शिकायत के बाद पुलिस आरोपी गिरीश चौहान की तलाश में है।

दो दिन में काम पूरा करो, नहीं तो सस्पेंड

भोपाल। नायब तहसीलदार दिनेश साहू की मौत के बाद अनुकंपा नियुक्ति के लिए भटक रहे परिजनों ने कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह से गुहार लगाई। पत्नी और बेटे की आंखों में आंसू देख कलेक्टर ने भू-अभिलेख अधिकारी (एडीएलआर) कृष्णा रावत को तलब कर फटकार लगाई। बोले-दो दिन में फाइल पूरी करो, नहीं तो सस्पेंड कर दूंगा। 25 सितंबर को साहू की बीएलओ ड्यूटी के दौरान मौत हुई थी। अब उनके बेटे अनय को पटवारी के पद पर नियुक्ति मिलेगी।

भोपाल-बीना-इटारसी रूट पर मार्च तक

भोपाल। रेलवे ने भोपाल-बीना-इटारसी रूट पर ट्रेनों की अधिकतम गति 130 किमी घंटा करने की तैयारी तेज कर दी है। फिलहाल इस सेक्शन पर ट्रेनों की औसत रफ्तार 130 किमी/घंटा है। मार्च 2026 तक गतिवृद्धि का काम पूरा हो जाएगा। रफ्तार बढ़ाने के लिए रेलवे ऑटोमेटिक ब्लॉक सिग्नलिंग सिस्टम लागू कर रहा है, जिससे ट्रेनों के बीच का अंतर कम होगा और यात्रा समय घटेगा। बुधनी इटारसी के 26 किमी में सिस्टम चालू हो चुका है, जबकि भोपाल-दुर्गावती के 48 किमी और मंडी बामोरा क्षेत्र के 17 किमी ट्रैक का काम अंत में है।

सीएम ने किया एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के नवनिर्मित भवन का

ऊर्जा विभाग की समाधान योजना लांच हुई 90 लाख से अधिक लोगों को मिलेगा

योजना में 3 माह तक का सरचार्ज रखने वाले उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत सरचार्ज छूट का लाभ मिलेगा

योजना में 3 माह तक का सरचार्ज रखने वाले उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत सरचार्ज छूट का लाभ मिलेगा

डीआर संवाददाता» भोपाल

उपभोक्ताओं का तीन हजार करोड़ रुपए से अधिक बिजली बिल सरचार्ज होगा माफ

मप्र के बिजली बकायादारों को मोहन सरकार ने एक बड़ी सौगात दी है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को ऊर्जा विभाग के समाधान योजना का शुभारंभ किया।

इस योजना में तीन महीने से अधिक समय तक बिल बकाया रखने वाले घरेलू, गैर घरेलू, कृषि तथा औद्योगिक उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत तक सरचार्ज में छूट दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह योजना उन जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित होगी, जो बिजली कनेक्शन से बिल जमा नहीं कर पाए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सोमवार को एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी 2024-25 में 35 लाख से अधिक किसानों को 18 हजार करोड़ रुपए से अधिक की बिजली सब्सिडी दी गई।

एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी का नवीन भवन बेहतर प्रबंधन और कार्य क्षमता वृद्धि में सहायक होगा।

मप्र के बिजली बकायादारों को मोहन सरकार ने बड़ी सौगात दी

आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण कर दें

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि समाधान योजना 2025-26 से उपभोक्ताओं का 3 हजार करोड़ रुपए से अधिक बिजली बिल सरचार्ज माफ किया जा रहा है। योजना में 3 माह तक का सरचार्ज रखने वाले उपभोक्ताओं को 100 प्रतिशत सरचार्ज छूट का लाभ मिलेगा। यह नया भवन ऊर्जा प्रबंधन, पारदर्शी व्यवहार और जनसेवा का केंद्र बनेगा। किसानों को सिंचाई के लिए नियमित 10 घंटे बिजली उपलब्ध कराने के लिए सरकार संकल्पित है।

समाधान योजना 2025-26 एक नजर में

यह योजना जल्दी आए, एकमुश्त भुगतान कर ज्यादा लाभ पाएं के सिद्धांत पर आधारित है। इस योजना में उपभोक्ता को प्रथम चरण में एकमुश्त भुगतान करने पर सबसे अधिक लाभ होगा जबकि द्वितीय चरण के दौरान छूट का प्रतिशत क्रमशः कम होता जाएगा। समाधान योजना दो चरणों में चलेगी। प्रथम चरण 3 नवंबर से 31 दिसंबर 2025 तक होगा, जिसमें 60 से लेकर 100 प्रतिशत तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। इसी तरह द्वितीय और अंतिम चरण में यह योजना एक जनवरी से 28 फरवरी 2026 तक लागू रहेगी। इसमें 50 से 90 फीसदी तक सरचार्ज माफ किया जाएगा। प्रथम चरण में एकमुश्त राशि जमा कराने पर अधिकतम लाभ होगा।

टीम इंडिया की स्टार गेंदबाज क्रांति गौड को मिला 1 करोड़ का तोहफा

डीआर संवाददाता» भोपाल

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की ऐतिहासिक वर्ल्ड कप जीत का जश्न अभी थमा भी नहीं था कि मध्य प्रदेश सरकार ने अपनी बेटी को सम्मान देने का बड़ा ऐलान कर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने छतरपुर की स्टार गेंदबाज क्रांति गौड़ को 1 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। यह पुरस्कार क्रांति के उत्कृष्ट प्रदर्शन और टीम इंडिया को पहली महिला वनडे वर्ल्ड कप ट्रॉफी दिलाने में उनके योगदान के लिए है। सीएम ने क्रांति को सोशल मीडिया पर दिल से बधाई देते हुए कहा कि मध्य प्रदेश की बेटी ने न केवल देश का मान बढ़ाया, बल्कि लाखों लड़कियों के लिए प्रेरणा का दीपक जला दिया। यह घोषणा न केवल क्रांति के परिवार और घुवारा गांव के लिए खुशी का पल है, बल्कि पूरे राज्य के लिए गर्व का विषय। क्रांति को कुल 5.5 करोड़ की इनामी राशि मिलेगी। इसमें आईसीसी के 3.5 व बीसीसीआई के 5 करोड़ भी शामिल हैं। बीसीसीआई के सचिव देवजीत सैकिया ने ऐलान किया कि भारतीय महिला क्रिकेट

कस्बे घुवारा की रहने वाली 22 साल की क्रांति गौड़ का बचपन बेहद संघर्ष पूर्ण रहा है। क्रांति के पिता मुन्ना सिंह गौड़ कांस्टेबल थे। एक मामले में उनकी नौकरी जाने के बाद परिवार ने मजदूरी करके क्रांति का लालन-पालन किया। क्रांति को बचपन से ही क्रिकेट का शौक था क्रांति के घर के सामने ही एक छोटा सा खेल मैदान है, जिसमें क्रांति अपने दोस्तों के साथ टेनिस गेंद से खेलती थी। एक समय था जब क्रांति के पास खेलने के लिए जूते भी नहीं थे। तब वह नंगे पैर ही क्रिकेट खेलती थी। सीमित साधनों के बाद भी उनका जुनून कम नहीं हुआ। परिवार ने भी कठिन समय में उनका साथ नहीं छोड़ा एक दिन छतरपुर में हुए टूर्नामेंट में क्रांति को अचानक खेलने का मौका मिला। उस मैच में दोहरा प्रदर्शन करने के बाद स्थानीय कोच ने क्रांति की प्रतिभा को पहचाना और आगे खेलने के लिए प्रोत्साहित किया।

थाने में थर्ड-डिग्री का वीडियो वायरल, टीआई ने बेल्ट-डंडों से पीटा, आरोपी बोला- विकलांग हूं, फिर भी पीटा

डीआर संवाददाता» भोपाल

नर्मदापुरम माखननगर थाने से पुलिस थर्ड-डिग्री की तस्वीरें फिर सामने आई हैं। टीआई नवल पवार का एक वीडियो वायरल हुआ है, जिसमें वे थाने के भीतर दो आरोपियों को बेल्ट और मुक्कों से जमकर पिटाई करते दिख रहे हैं। घटना 25 अक्टूबर की बताई जा रही है।

वीडियो में टीआई एक आरोपी की हथेली और तालू पर जूता रखकर जोरदार प्रहार करते दिखते हैं, जबकि

दूसरी क्लिप में वह आरोपी के बाल पकड़कर बेल्ट से मारते नजर आते हैं। आरोपियों में से एक समीर खान उर्फ पिंटा विकलांग है। बताया जा रहा है कि वीडियो थाने में मौजूद किसी पुलिसकर्मी ने चोरी-छिपे बनाया। तीसरे वीडियो में दोनों आरोपियों से किसी व्यक्ति द्वारा कैमरे पर माफी मंगवाई जा रही है। ये वीडियो भी सवालों के घेरे में है।

टीआई ने सफाई में कहा कि समीर और विष्णु शातिर अपराधी हैं और सरपंच को जान से मारने की धमकी देने सहित 13 प्रकरण दर्ज हैं। उनका हावाकू स्वभाव से तनाव की आशंका थी, इसलिए थोड़ी सख्ती की।

उधर आरोपी समीर ने एसपी से शिकायत की है। उसने कहा कि वह विकलांग है, फिर भी पीटा गया और वीडियो बनाकर उसकी छवि खराब की गई। मामले ने पुलिस कार्यप्रणाली और मानवाधिकारों पर फिर विवाद खड़ा कर दिया है।

झोलाछापों को दवा बेचने वाली तीन दवा दुकानों पर छापे,

डीआर संवाददाता» भोपाल

राजधानी में झोलाछाप डॉक्टरों को बिना रजिस्ट्रेशन नंबर देखे दवाएं बेचने के मामले में ड्रग इंस्पेक्टर ने सोमवार को कार्रवाई की। टीम ने दवा बाजार स्थित प्रतिष्ठित फर्मों और कुछ डील फर्मों के साथ कोलार स्थित कृष्णा फार्मा का औचक निरीक्षण किया। जांच के दौरान दवाओं की खरीद-बिक्री के रजिस्टर, बिल और लाइसेंस से जुड़े दस्तावेज मांगे गए। दुर्गा डील फार्मा और कृष्णा फार्मा से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनकी

दवाओं की खरीद-बिक्री तत्काल प्रभाव से रोक दी गई है। विभाग ने दोनों फर्मों को कारण बताओ नोटिस जारी करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनका लाइसेंस निलंबित किया जा सकता है। सोमवार को डीबी स्टार ने स्टिंग ऑपरेशन कर खबर प्रकाशित की थी। इसमें बताया गया था कि राजधानी के कुछ मेडिकल स्टोर बिना डॉक्टर का रजिस्ट्रेशन नंबर देखे झोलाछाप डॉक्टरों को दवाएं दे रहे हैं। कई स्टोर संचालक कच्चे बिल पर सप्लाई करते हैं और क्लीनिक तक डिलीवरी की पेशकश करते हैं। खबर प्रकाशित होने के बाद औषधि प्रशासन ने संज्ञान लेकर तुरंत कार्रवाई की।

फाइल अटकी, प्रदेशभर में 350 सड़कें प्रभावित

डीआर संवाददाता» भोपाल

'मध्यप्रदेश के शहरों में पीडब्ल्यूडी की छोटी सड़कों को नगर निकायों को सौंपने की प्रक्रिया फिर अटक गई है। चार महीने पहले पीडब्ल्यूडी मंत्री राकेश सिंह ने इन सड़कों को स्थानीय निकायों के हवाले करने के निर्देश दिए थे, ताकि बारिश में मेंटेनेंस और समन्वय की मुश्किलें खत्म हो सकें। लेकिन फाइल भोपाल नगर निगम में अटक गई है।

प्रदेशभर में करीब 350 सड़कों" का हस्तांतरण होना है, जिनके दोनों ओर पहले से

नगर निगम की सड़कें हैं। सबसे ज्यादा 60 सड़कें भोपाल की" हैं, जिनकी लंबाई करीब 572 किमी है। फिलहाल पीडब्ल्यूडी इन पर हर साल लगभग 1 करोड़ रुपए खर्च करता है। विभाग ने सूची निगम को भेज दी थी, लेकिन निर्णय अब तक नहीं हो सका है। सूची में कई सड़कें आधा किलोमीटर से भी छोटी हैं, जैसे हाथीखाना मार्ग (0.19 किमी) और 78 क्वार्टर पुलिस लाइन रोड। ग्वालियर, विदिशा, जबलपुर, मंडीदीप सहित 40 से अधिक नगरीय निकायों में भी ऐसी सड़कें हैं। नगर निगम इसे परिषद बैठक में रखेगा और बजट की मांग भी करेगा।

आईटीबीपी जवान कर रहा था ड्राइव, लोगों ने आरोपी को पकड़कर पुलिस को सौंपा

डीआर संवाददाता» भोपाल

भोपाल ने रेलवे स्टेशन पर एक कार चालक ने चार लोगों को टक्कर मार दी। चारों घायलों को इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया गया है। ये घटना सोमवार शाम करीब 6 बजे रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 6 की ओर मुख्य सड़क की है। बताया जा रहा है कि आईटीबीपी का जवान दीपक उर्फ राजेंद्र कार चला रहा था। वह अपने किसी गेस्ट को लेने कोकता ट्रांसपोर्ट नगर से रेलवे स्टेशन पर आया था। इस दौरान उसने कार

अलग-अलग लोगों को टक्कर मार दी।

हादसे के बाद आरोपी ने भागने की कोशिश की, लेकिन वहां लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय आरोपी जवान नशे में धुत था। पुलिस ने उसे मेडिकल के लिए भेजा है। इस दौरान मौके पर भीड़ ने उसकी कार में भी तोड़फोड़ कर दी। टीआई अजय सोनी के मुताबिक आरोपी कार चालक का नाम दीपक उर्फ राजेंद्र पिता जगदीश है, जो कोकता स्थित आईटीबीपी कैंपस में रहता है। सोमवार रात को करीब आठ बजे भोपाल स्टेशन पर किसी गेस्ट को रिसीव करने अपनी प्राइवेट कार से आया था। स्टेशन के बाहर उसने तेजी स्पीड में लापरवाही से कार को चलाते हुए चार अलग-अलग युवकों को टक्कर मारी है।

घायलों को हमीदिया अस्पताल लाया गया

कार की टक्कर से घायल चारों लोगों को हमीदिया अस्पताल में इलाज के लिए लाया गया है। इनमें से एक युवक के पैर में फ्रेक्चर बताया जा रहा है। टीआई कहना है कि आरोपी युवक का भी मेडिकल परीक्षण कराया जा रहा है।

एसआईआर 21 लाख वोटर्स के भरेंगे गणना पत्रक... अलग से नहीं मांगे जाएंगे दस्तावेज

22 साल बाद वोटरों का डोर-टू-डोर सर्वे, आज से हो रही शुरुआत

डीआर संवाददाता» भोपाल

जिले में मंगलवार से वोटर लिस्ट के गहन परीक्षण यानी स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) की शुरुआत हो रही है। एक महीने तक चलने वाले इस अभियान में 2029 बीएलओ और 250 सुपरवाइजर घर-घर जाकर मतदाता सूची का भौतिक सत्यापन करेंगे। प्रत्येक बीएलओ को तीन बार तक घर जाना होगा और मतदाता को गणना पत्रक देना होगा, जो दो प्रति में होगा। एक मतदाता के पास रहेगी और दूसरी बीएलओ के पास। बता दें कि भोपाल जिले में कुल 21 लाख वोटर्स हैं।

2003 के बाद पहली बार वोटर

लिस्ट का डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। जिन लोगों के नाम 2003 की लिस्ट में नहीं हैं, और वर्तमान लिस्ट में हैं, उन्हें बताना होगा कि परिवार में किसका नाम 2003 की लिस्ट में था। बीएलओ फॉर्म में दी गई जानकारी के आधार पर इसे वेरिफाई करेंगे। जानकारी सही होने पर ही नाम जुड़ेगा।

एसआईआर से यह सब कुछ जो आपके लिए जरूरी है

पिता-दादा का नाम पिछली सूची में, तो आपका जुड़ेगा बीएलओ दस्तावेज मांगेंगे?

-नहीं। सर्वे में कोई दस्तावेज नहीं लिए जाएंगे। बीएलओ सिर्फ गणना पत्रक देंगे, जिसमें आपकी डिटेल प्रिंटेड होगी।

मतदाता को क्या करना है?

- दिए गए गणना पत्रक को भरकर बीएलओ को देना होगा। इसमें नाम, पता, उम्र और मोबाइल नंबर की जानकारी होगी।

2003 की लिस्ट में किसी का नाम नहीं तो क्या होगा ?

कारण बताना होगा- क्या परिवार में मृत्यु हुई, कहीं बाहर शिफ्ट हुए हैं है या या नाम दूसरे राज्य में दर्ज है। ऐसे लोगों को एसडीएम दफ्तर से नोटिस मिलेगा और संबंधित दस्तावेज मांगे जाएंगे।

2003 में नाम न होने पर क्या रिलेशन कैसे जोड़ेंगे? — आपका नाम 2025 की लिस्ट में है, पर 2003 की लिस्ट में नहीं, तो परिवार के सदस्य जैसे पिता, दादा, चाचा आदि के नाम चेक किए जाएंगे। नाम मिलने पर आपका नाम जोड़ा जाएगा। 2003 की लिस्ट कहां है ?

पत्र पर 2003 की लिस्ट ऑनलाइन है। वेबसाइट पर "ए ऑप्शन चुनें, फिर राज्य और विधानसभा सिलेक्ट करें। पोलिंग बूथ या मोहल्ले के आधार पर नाम सर्च करें। यहां 2003 और वर्तमान सूचियों की पूरी डिटेल है।

2003 और अब दोनों सूची में नाम नहीं है, जुड़ सकता है? हां, नाम जोड़ा जा सकता है। इसके लिए फॉर्म 6 भरना होगा और जरूरी दस्तावेज देने होंगे। लिस्ट कब जारी होगी? दिसंबर में प्रारंभिक सूची जारी होगी। 3 जनवरी तक आपत्ति या सुधार किए जा सकेंगे। 7 फरवरी को अंतिम लिस्ट प्रकाशित होगी।

दो सिस्टम का असर...बारिश को अलर्ट

डीआर संवाददाता» भोपाल

लो प्रेशर एरिया (निम्न दबाव क्षेत्र) और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) के असर से मध्यप्रदेश में अगले 2 दिन भी बारिश होने के आसार हैं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन और ग्वालियर में बूंदाबांदी और बादल छाएंगे तो पश्चिमी हिस्से में हल्की बारिश भी हो सकती है। इससे पहले रविवार को कई जिलों में धूप खिली। सोमवार को भी ऐसा ही मौसम रहा।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया, रविवार को उत्तर-पूर्वी हिस्से में एक निम्न दाब का क्षेत्र और एक साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम की एक्टिविटी देखने को मिली। जिसका असर सोमवार को भी देखने को

मिला। दूसरी ओर, दिन के तापमान में मामूली बढ़त भी देखने को मिली।

वहां दिसंबर सिस्टम का असर अगले दो दिन तक भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम, ग्वालियर, सागर और जबलपुर संभाग के 30 से अधिक जिलों में सिस्टम का असर देखने को मिलेगा। यहां पर बादल, आंधी, गरज-चमक और बारिश वाला मौसम रहेगा।

डीआर सीहोर

आष्टा, इछावर, भैरूंदा, श्यामपुर, बुदनी, कोठरी, अमलाहा, दोराहा, अहमदपुर, जावर | कार्तिक शुक्ल पक्ष 14-2082 | सीहोर, दिन मंगलवार, दिनांक 04 नवंबर 2025

न्यूज गैलरी

8 वर्ष से फरार अपहरण का ईनामी आरोपी गिरफ्तार

आष्टा। पुलिस ने आठ साल से फरार अपहरण के ईनामी आरोपी पवन दमनर को गिरफ्तार कर लिया है। पवन दमनर पिता कुबेर सिंह दमनर, उम्र 32 वर्ष, निवासी पोलाय कला (शाजापुर) ने वर्ष 2018 में एक नाबालिग बालिका को बहला-फुसलाकर अपहरण किया था। मामले में थाना आष्टा में धारा 363 भादवि के तहत प्रकरण दर्ज हुआ था। पुलिस ने बालिका को बरामद कर परिजनों को सौंप दिया था जबकि आरोपी तब से फरार था। पुलिस अधीक्षक दीपक शुक्ला के निर्देशों पर टीम ने ग्राम पोलाय कला से ₹3,000 इनामी आरोपी को पकड़ा। आर. महेंद्र मेवाड़ा, आर. सुमन मेवाड़ा और आर. मेहरबान मनवार की विशेष भूमिका रही।

60 की निशुल्क जांच, 40 का मोतियाबिंद ऑपरेशन

सीहोर। लायंस क्लब सीहोर, सिद्धपुर एवं सेवा सदन के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को इंग्लिशपुरा स्थित सेवा सदन नेत्र जांच केंद्र पर निशुल्क नेत्र जांच व मोतियाबिंद ऑपरेशन शिविर लगाया गया। शिविर में कुल 60 लोगों ने नेत्र जांच का लाभ लिया। इनमें से 40 मरीजों की आंखों में मोतियाबिंद पाया गया, जिनका निशुल्क ऑपरेशन एसएसके लेंस किया। नवीन सेवा सदन अस्पताल में किया जाएगा। ऑपरेशन निशुल्क रहेगा व मरीजों को लाने-लेजाने की व्यवस्था भी संस्था द्वारा की जाएगी।

एम्स भोपाल के एमएससी नर्सिंग छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण संपन्न

सीहोर। डॉ. अखिलेश कुमार शुक्ल (निदेशक) के मार्गदर्शन और डॉ. अखिल सैनी (सहायक प्रोफेसर, मनोरोग विभाग) के पर्यवेक्षण में एम्स भोपाल के एमएससी नर्सिंग छात्रों का शैक्षणिक भ्रमण सोमवार को आयोजित किया गया। डॉ. मैक्सी मार्टिस के नेतृत्व में 25 नर्सिंग छात्र इस भ्रमण में शामिल हुए। विद्यार्थियों को संस्थान के विभागों, शैक्षणिक पाठ्यक्रमों और मानसिक स्वास्थ्य पुनर्वास सेवाओं की जानकारी दी गई। छात्रों ने संकाय सदस्यों से संवाद कर व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। संस्थान की ओर से छात्रों का स्वागत कर विभिन्न गतिविधियों का अवलोकन कराया गया। भ्रमण उपयोगी व सफल रहा।

लटकते तारों की ऊंचाई बढ़ाई जानी चाहिए

सीहोर। सड़क के किनारे लटकते बिजली के तार किसी बड़े हादसे का कारण बन सकते हैं। घनी आबादी के बीच झूलते बिजली के तार दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे हैं। चार पहिया वाहन गुजरने के दौरान भी तार के संपर्क में आने का खतरा बना रहता है। ये तार कई जगह इतने नीचे हैं कि वाहन से फंसकर टूट जाते हैं। इन लटकते तारों की ऊंचाई बढ़ानी चाहिए, जिससे खतरे को टाला जा सके। - हेमंत, सीहोर

रंग-बिरंगी विद्युत लाइट से सजा गुरुद्वारा

सीहोर। श्री गुरु नानक देव जी की जयंती के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा साहिब को रंग-बिरंगी विद्युत सजावट से सजाया गया है। सोमवार से यहां श्री अखंड पाठ साहब सुबह 10 बजे शुरू हुआ। पाठ साहब का समापन 5 नवंबर को सुबह 10 बजे होगा। उसी दिन दोपहर तीन बजे तक कीर्तन दरबार सजेगा।

गड़बड़ी | कॉलेज में फर्जीवाड़ा, आरटीआई से हुआ खुलासा, एक साल बाद भी खिलाड़ियों को ड्रेस मिली न खेल भत्ता

गड़बड़ी, विद्युत मरम्मत और सीसीटीवी कैमरे सुदृढ़ीकरण के नाम पर निकाली हजारों की राशि

डीआर संवाददाता» इछावर

नगर में संचालित एक मात्र सरकारी महाविद्यालय में एक बार फिर गड़बड़ी और वित्तीय अनियमितताएं किए जाने के मामले प्रकाश में आए हैं। यहां विद्युत मरम्मत और सीसीटीवी कैमरे सुदृढ़ीकरण के नाम पर हजारों रुपए के बिल वाउचर लगाकर राशि निकाली गई जबकि धरातल पर ना तो विद्युत मरम्मत व रिपेयरिंग कार्य कराया गया और ना ही सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। इतना ही नहीं एक साल पहले सीहोर सहित अन्य शहर में आयोजित बैडमिंटन और कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने गई टीम के खिलाड़ियों को अभी तक ड्रेस और यात्रा भत्ते का भुगतान भी नहीं किया गया है। जबकि हैरानी की बात यह है कि खेल प्रभारी द्वारा पहले ही ड्रेस व भत्ते के बिल वाउचर लगाकर राशि आहरण की जा चुकी है। मामले का खुलासा हालही में आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी से हुआ है। मामले का खुलासा होने के बाद से प्रबंधन इस पर पर्दा डालने में जुट गया है। विभिन्न अनियमितताओं और गड़बड़ी के चलते अक्सर सुर्खियों में रहने वाला नगर का सरकारी महाविद्यालय एक बार फिर लोगों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है। दरअसल इस बार कॉलेज प्रबंधन पर वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लग रहे हैं। सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) के तहत प्राप्त की गई जानकारी में इसका खुलासा हुआ है। दरअसल प्रबंधन द्वारा वित्तीय वर्ष 2024 माह अक्टूबर में कॉलेज में आंतरिक व बाह्य परिसर में सीसीटीवी कैमरे सुदृढ़ीकरण एवं विद्युत मरम्मत के नाम पर करीब 23 हजार रुपए की राशि निकाली गई, जबकि भवन में किसी भी तरह का विद्युत रिपेयरिंग कार्य नहीं कराया गया और ना ही सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। कॉलेज के छात्र-छात्राओं का कहना है कि महाविद्यालय में लंबे समय से विद्युत बोर्ड टूटे-फूटे पड़े हैं। अधिकांश कमरों में पंखे भी खराब पड़े हैं। इतना ही नहीं सीसीटीवी कैमरों की मॉनिटरिंग के

जो किट दी गई थी वह भी वापस ले ली गई

पिछले वर्ष सीहोर व रायसेन में आयोजित बैडमिंटन व कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें कॉलेज की टीमों ने भाग लिया था। लेकिन एक वर्ष से अधिक समय गुजरने के बावजूद उक्त टीम की खिलाड़ियों को ड्रेस मिली और न ही यात्रा भत्ता दिया गया है। जबकि खेल प्रभारी कलावती मालवीया के बैंक खाते में करीब 21 हजार रुपए राशि का भुगतान वित्तीय वर्ष 2024 माह नवम्बर में हो चुका है। इस संबंध में खिलाड़ी बिंदु प्रजापति, खुशी ठाकुर, आरती, सलोनी ठाकुर ने बताया कि एक साल पहले बैडमिंटन और कबड्डी प्रतियोगिता में शामिल होने गई थी, लेकिन हमें न तो ड्रेस दी गई और न ही अभी तक यात्रा भत्ता दिया गया है। उस समय हमें जो किट दी गई थी वह भी हमसे वापस ले ली गई। यात्रा भत्ता के संबंध में कई बार खेल प्रभारी मैडम से पूछा गया लेकिन वह हर बार आश्वासन देती रही। मगर भत्ता अभी तक नहीं दिया गया है।

प्राचार्य कक्ष में जो कम्प्यूटर सिस्टम लगा है वह भी महीनों से बंद है। ऐसे में महाविद्यालय व परिसर में असामाजिक तत्वों का अड्डा बना हुआ है।

प्रभारी को किया जा चुका है भुगतान

कबड्डी और बैडमिंटन प्रतियोगिता में शामिल हुई टीम की खिलाड़ियों को भत्ता व ड्रेस का भुगतान नहीं हुआ है इसकी सूचना प्राप्त हुई है। लेकिन खेल प्रभारी के खाते में राशि दे दी गई है, उन्होंने भुगतान क्यों नहीं किया यह जानकारी नहीं है। मुझे सीसीटीवी कैमरे व विद्युत मरम्मत के बारे में जानकारी नहीं है। इस संबंध में जानकारी लेकर ही कुछ कह सकती।

सुनीता वर्मा, प्रभारी प्राचार्य शासकीय महाविद्यालय

किया जाएगा आंदोलन

कॉलेज में अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार को लेकर छात्र-छात्राओं की लगातार शिकायतें प्राप्त हो रही है। मेरे द्वारा हालही में आरटीआई के माध्यम से कुछ जानकारी ली गई जिससे भ्रष्टाचार और वित्तीय अनियमितताओं के मामले उजागर हुए है। इसको लेकर जल्दी ही कलेक्टर को लिखित शिकायत की जाएगी। साथ ही बड़ा आंदोलन किया जाएगा।

मेहर ठाकुर, उपाध्यक्ष (युवा) जिला कांग्रेस सीहोर

नहीं दे सकती जानकारी

मैं अभी बाहर हूं, इसलिए इस संबंध में कोई भी जानकारी अभी नहीं दे सकती।

कलावती मालवीया, खेल प्रभारी

कृषि विभाग का दावा पर्याप्त खाद उपलब्ध, टोकन पर्ची से लाइन लगा रहे किसान

डीआर संवाददाता» सीहोर

रबी सीजन के लिए बोवनी शुरू होते ही जिले के खाद वितरण केंद्रों पर किसानों की भीड़ लगातार बढ़ने लगी है। कई केंद्रों पर सुबह से ही किसान लाइन में खड़े नजर आए, जिससे व्यवस्था पर दबाव बढ़ गया। किसानों का कहना है कि खाद मिलने में काफी समय लग रहा है और उन्हें लंबी लाइनों में इंतजार करना पड़ रहा है। वहीं, कृषि विभाग का दावा है कि जिले में खाद की कोई कमी नहीं है और सभी किसानों को समय पर खाद उपलब्ध कराई जा रही है।

जिले में पर्याप्त भंडार

उपसंचालक कृषि अशोक उपाध्याय ने बताया कि रबी 2025-26 के लिए जिले में पर्याप्त खाद उपलब्ध है। सहकारी समितियों में 22136 मीट्रिक टन यूरिया, 10136 मीट्रिक टन डीएपी, 10028 मीट्रिक टन एसएसपी और 8749 मीट्रिक टन एनपीके का भंडार है। वहीं निजी विक्रेताओं के पास भी पर्याप्त खाद मौजूद है। अभी तक 28805 मीट्रिक टन यूरिया समेत अन्य खादों का बड़ा हिस्सा किसानों को दिया जा चुका है।

टोकन प्रणाली लागू

बढ़ती भीड़ को देखते हुए विभाग ने टोकन प्रणाली लागू की है, ताकि किसानों को क्रमवार खाद मिल सके और अव्यवस्था न हो। विभाग ने किसानों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और धैर्य बनाए रखें, क्योंकि जिले में खाद का पर्याप्त स्टॉक मौजूद है।

वर्षा जल को संरक्षित करना है बोरी बंधान बनाने का उद्देश्य

डीआर संवाददाता» सीहोर

जल संरक्षण को प्राथमिकता देते हुए कलेक्टर श्री बालागुरु के. के निर्देश पर जिले में बोरी बंधान बनाकर वर्षा जल को रोकने का कार्य किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य वर्षा के अधिक से अधिक पानी को संग्रहित करना है, ताकि किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त जल उपलब्ध हो सके। बोरी बंधान से एक ओर जहां खेतों में नमी बनी रहेगी, वहीं दूसरी ओर गांवों में पेयजल और मवेशियों के लिए भी पानी की कमी नहीं होगी। प्रशासन का प्रयास है कि जल संरक्षण के इस अभियान में ग्रामीण जन भी सक्रिय रूप से भागीदारी निभाएं, जिससे प्राकृतिक संसाधनों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो सके। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि हर ग्राम पंचायत में संभावित जल स्रोतों पर बोरी बंधान बनाने की कार्यवाही समय पर पूर्ण की जाए और यह सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी क्षेत्र में पानी व्यर्थ न बहे।

दोपहर की स्कूल से छुट्टी के बाद छात्रा बेहोश, मौत

डीआर संवाददाता» भैरूंदा

भैरूंदा के नीलकमल शिक्षा निकेतन, नर्मदा कॉलोनी (नीलकंठ रोड) में सोमवार दोपहर छुट्टी के समय एक छात्रा की अचानक तबीयत बिगड़ने से मौत हो गई। जानकारी के अनुसार अंकिता राजपूत (10 वर्ष) पिता विजय राजपूत, निवासी हाथीघाट, कक्षा तीसरी की छात्रा थी। छुट्टी के दौरान स्कूल से बाहर निकलते समय अंकिता अचानक बेहोश होकर गिर गई।

स्कूल स्टाफ ने तुरंत पानी छिड़ककर उसे होश में लाने का प्रयास किया। जब वह नहीं संभली, तो उसे भैरूंदा सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मौत का कारण फिलहाल अज्ञात है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के वास्तविक कारण का पता चल पाएगा। वहीं, स्कूल संचालक जगदीश शर्मा ने बताया कि 3.30 पर स्कूल की छुट्टी हुई थी। छात्रा बस में चढ़ने से पहले ही चक्कर खाकर गिर गई। जैसे ही मैंने देखा, तो तुरंत उठाकर पानी पिलाया और उसे तुरंत अस्पताल पहुंचाया। मिली जानकारी के अनुसार, अंकिता इकलौती लड़की थी। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल पुलिस ने बालिका का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया गया।

नपा, 681 में से 300 कर्मचारियों के पास स्मार्टफोन नहीं, पहले दिन 30 की ही लगी अटेंडेंस

डीआर संवाददाता» सीहोर

सभी नगरीय निकायों में एक नवंबर से फेस रिकग्निशन से अटेंडेंस लगाने का नियम लागू किया गया है। विभाग ने इस आदेश को जारी करने से पहले व्यावहारिक चीजें नहीं देखीं। यही वजह है कि पहले दिन सीहोर नपा में सिर्फ 30 कर्मचारियों की ही फेस रिकग्निशन से अटेंडेंस लग पाई। कई कर्मचारी अटेंडेंस लगाने के लिए परेशान होते रहे। कभी सर्वर डाउन होने तो कभी नेटवर्क के कारण उनकी अटेंडेंस नहीं लग सकी। वहीं दूसरी ओर नपा के कर्मचारियों में एक वर्ग ऐसा भी है जिनके पास स्मार्टफोन नहीं है। ऐसे कर्मचारियों की संख्या सीहोर नगर पालिका में 300 से ज्यादा है। इनमें फ्लटर पर काम करने वाले और आउटसोर्स के कर्मचारी शामिल हैं। कई कर्मचारियों को 10 हजार रुपए प्रतिमाह वेतन मिलता है। वे इस वेतन में घर का खर्च चलाएं या फिर स्मार्टफोन खरीदें। सीहोर नपा में कुल 681 अधिकारी-कर्मचारी हैं।

शासन ने एक नवंबर से प्रदेश के हर नगरीय निकाय में फेस रिकग्निशन सिस्टम से हाजिरी लगाने के आदेश दिए थे। एक नवंबर को शनिवार और 2 नवंबर को रविवार के बाद 3 नवंबर को कार्यालय खुले तो लोग अटेंडेंस के लिए परेशान होते रहे। विभाग का दावा है कि 30 अक्टूबर तक हर कर्मचारी-अधिकारी का डाटा आधार इनेबल्ड बायोमेट्रिक अटेंडेंस सिस्टम से लिंक कर लिया गया है। इस आदेश के पीछे नगरीय विकास एवं आवास विभाग का मुख्य उद्देश्य ऐसे स्टाफ की पहचान करना था जो काम पर नहीं आते, लेकिन उनका वेतन बराबर निकलता रहता है। इसके लिए ई-अटेंडेंस ई-नगर पालिका 2.0 पोर्टल से लिंक किया गया है। इस अटेंडेंस के आधार पर ही वेतन देने के निर्देश हैं लेकिन सोमवार को सीहोर नगर पालिका में सिर्फ 32 कर्मचारी ही ऑनलाइन अटेंडेंस लगा पाए हैं। जिला मुख्यालय की नपा में कुल 681 अधिकारी-कर्मचारियों में से 176 कर्मचारी नियमित और 176 कर्मचारी स्थाई हैं।

फ्लटर पर 225 कर्मचारी काम कर रहे हैं। आउटसोर्स से 100 कर्मचारी और 5 संविदा कर्मचारी कार्यरत हैं। फ्लटर पर काम कर रहे कर्मचारी और आउटसोर्स कर्मचारियों में से अधिकांश के पास स्मार्टफोन नहीं है। इनमें से अधिकांश कर्मचारियों को मासिक भुगतान करीब 10 हजार रुपए मिलता है। ऐसे में यदि वे स्मार्टफोन खरीदेंगे तो उनके घर का खर्च चलाना मुश्किल हो जाएगा। यह स्थिति अकेले सीहोर नगर पालिका की नहीं है, बल्कि आष्टा नपा के साथ जिलेभर के अन्य नगरीय निकायों में भी यही स्थिति बनी हुई है। 'सभी कर्मचारियों को ऑनलाइन अटेंडेंस लगाने के निर्देश दिए गए हैं।'

इज्तिमा में टोल टैक्स फ्री किया तो हिंदू आयोजनों के लिए भी करना होगा

डीआर संवाददाता» सीहोर

इज्तिमा में वाहनों से आने वाले लोगों के लिए टोल टैक्स फ्री करने की मांग का विहिप व बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने विरोध किया है। सोमवार को पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने इंदौर-भोपाल कॉरिडोर टोल टैक्स पर पहुंचकर नारेबाजी की और टोल टैक्स प्रबंधन को ज्ञापन देकर आलमी तब्लीगी इज्तिमा की तरह ही प्रदीप मिश्रा के धार्मिक आयोजनों और चितावलिया हेमा गणेश मंदिर पर लगने वाले 10 दिवसीय मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को 10 दिन तक टोल टैक्स में छूट देने की मांग की। विहिप व बजरंग दल के जिला प्रमुख जगदीश कुशवाहा ने धर्म विशेष के टैक्स फ्री की निंदा की है।

इन त्योहारों पर श्रद्धालुओं को देना होता है टोल हिंदू समाज के धार्मिक आयोजनों जैसे राम नवमी, गणेश उत्सव, नवरात्रि पर श्रद्धालुओं को टोल शुल्क देना पड़ता है। धार्मिक कार्यक्रमों को कोई रियायत नहीं दी जाती है। हिंदू समाज और विहिप इस पक्षपात का घोर विरोध करता है।

रोज निकलते हैं 10 से 12 हजार वाहन कंपा टोल से हर रोज करीब 10 से 12 हजार वाहन निकलते हैं। कई बार इनकी संख्या ज्यादा कम होती है। इन वाहनों में चार पहिया निजी वाहन, यात्री बसें, ट्रक, ट्राले सहित अन्य लोडिंग वाहन गुजरते हैं।

मंदिर निर्माण | स्टैंड पर हनुमान मंदिर ग्रेनाइटपत्थरों से की जा रही मंदिर की बेजोड़ नक्काशी, निर्माणाधीन मंदिर

32 जनवरी को मंदिर का ध्वजारोहण और 19 अप्रैल से सात दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा

डीआर संवाददाता» सीहोर

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर भगवान हनुमान हिंदू देवता जिन्हें संकट मोचन माना जाता इसी का रूप अब करोड़ों रुपए की लागत से शहर के बस स्टैंड पर श्री सिद्ध हनुमान मंदिर प्रसिद्ध होने जा रहा है। करीब पांच करोड़ से बनाए जाने वाले हनुमान मंदिर में 2026 में राजस्थान से लाखों रुपए से मंगाई गई जहां पर हनुमान जी के साथ ही भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और जानकी की मूर्तियों की प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन किया जाएगा। इस मौके पर देश भर के प्रसिद्ध संतों का समागम होगा।

इसको लेकर शहर सहित आस-पास के दानदाताओं ने सात दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा महोत्सव और ऐतिहासिक भंडारे के लिए सहयोग देना शुरू कर दिया है। सोमवार को मंदिर में समिति के संरक्षक श्री-श्री 108 पंडित दुर्गाप्रसाद कटारे, समिति के अध्यक्ष चंद्र प्रकाश राठौर, मंदिर के पुजारी अनिल शास्त्री, संस्कार मंच की ओर से मनोज दीक्षित मामा, जनदीय मंदिर मल समारोह के अध्यक्ष सुरेश गब्बर परमार, प्रजापति समाज की ओर से सुनील प्रजापति सहित अन्य ने आगामी ऐतिहासिक भंडारे में 51 क्विंटल आटा, 21 क्विंटल शक्कर, डेढ़ क्विंटल तेल के अलावा शुद्ध घी देने वाले सहयोगी जमोनिया निवासी जगदीश विश्वकर्मा का सम्मान किया गया। इस मंदिर की सात दिवसीय प्राण-प्रतिष्ठा का आयोजन हनुमान जयंती के पावन अवसर पर किया जाएगा। जनवरी तक मंदिर परिसर पूर्ण हो जाएगा, इसके उपरांत सात दिवसीय भव्य प्राण-प्रतिष्ठा के लिए प्रसिद्ध धर्म आचार्यों की उपस्थिति में भव्य आयोजन को पूर्ण किया जाएगा। हिंदू समाज को मजबूत करना उन्होंने कहा कि हमारे ब्रह्मलीन पिता श्री द्वारा करीब 232 से अधिक मंदिरों का जीर्णोद्धार किया जा चुका है और हमारे द्वारा भी अब तक 88 से अधिक मंदिरों के जीर्णोद्धार के साथ प्राण-प्रतिष्ठा हो चुकी है और करीब 12 मंदिर निर्माणाधीन है।

फर्नीचर कारखानों पर छापा सागौन की लकड़ी जब्त

डीआर संवाददाता» सीहोर

नाना क्षेत्र में सोमवार को वन विभाग ने बड़ी कार्रवाई की। विभाग की टीम ने कई फर्नीचर कारखानों पर एक साथ छापेमारी की। कार्रवाई का नेतृत्व रेंजर रजत द्विवेदी ने किया। विभाग ने तीन दल बनाए थे। पहले दल ने दो स्थानों पर छापा मारा। दूसरे दल ने भी दो जगह कार्रवाई की। तीसरे दल ने कार्तिक फर्नीचर मार्ट में छापा मारकर एक कारखाने से 25 नग सागौन की लकड़ी जब्त की। टीम मौके पर लकड़ी के हिसाब-किताब की जांच कर रही है। संचालकों से दस्तावेज मांगे जा रहे हैं। छापेमारी की खबर फैलते ही कई फर्नीचर संचालकों ने अपने कारखानों में ताले लगा दिए और भाग गए। खबर लिखे जाने तक कार्रवाई जारी थी।

डीआर सीहोर

आष्टा, इछावर, भैरूंदा, श्यामपुर, बुदनी, कोठरी, अमलाहा, दोराहा, अहमदपुर, जावर कार्तिक शुक्ल पक्ष 14- 2082 सीहोर, दिन मंगलवार, दिनांक 04 नवंबर 2025

न्यूज गैलरी

बंपर आवक से जाम, छह घंटे लगी रही वाहनों की कतार

भैरूंदा। कृषि उपज मंडी समिति में मक्का और सोयाबीन की बढ़ती आवक के कारण रविवार रात तीन गेट ट्रालियों में मक्का भरकर रवाना किया गया। इससे मंडी परिसर और आसपास के मार्गों पर जाम लग गया। नगर में करीब एक से डेढ़ किलोमीटर लंबी वाहनों की लाइन लग गई। इससे लगभग छह घंटे तक आवागमन पूरी तरह बाधित रहा। किसानों ने बताया कि पिछले साल भी ऐसी ही स्थिति बनी थी। तब दो से तीन किलोमीटर तक ट्रालियों की कतारें लगी थी। उस समय प्रशासन ने पाला मंडी में नीलामी कराने का निर्णय लिया था, जिससे स्थिति पर नियंत्रण पाया गया था। किसानों का कहना है कि इस बार भी वही परिस्थिति दोहराई जा रही है। लेकिन मंडी सचिव और प्रशासन की तरफ से अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि मंडी परिसर में ट्रालियों और ट्रकों से ना केवल यातायात बाधित हुआ, बल्कि आसपास के बाजार क्षेत्रों में भी जाम की स्थिति रही। इससे लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

शाम को 2 घंटे तक नगर में रहा ब्लैक आउट

आष्टा। सोमवार को नगर में बिजली ने लोगों को दिन भर में कई बार परेशान किया। वहीं शाम के समय तकनीकी समस्या के चलते 2 घंटे तक बिजली सप्लाई बंद होने से पूरे नगर में ब्लैक आउट की स्थिति रही। इस कारण लोगों को काफी परेशानी का सामना भी करना पड़ा। बता दें कि पिछले कुछ दिनों से बिजली की ट्रिपिंग की वजह से लोगों को खासी मशक्कत उठानी पड़ रही है। वहीं सोमवार को दिन भर में कई बार बिजली सप्लाई बाधित हुई। वहीं शाम के समय करीब 5 बजे नगर के पास्पुरा में ट्रांसफार्मर में तकनीकी समस्या होने की वजह से पूरे नगर की बिजली सप्लाई को बंद करनी पड़ी। यहां पर बिजली कंपनी के कर्मचारियों द्वारा ट्रांसफार्मर को बदलने के बाद बिजली सप्लाई को चालू किया गया। तो कहीं जाकर लोगों को राहत मिली।

कृषि उपज मंडी में 17820 क्विंटल की रही आवक

आष्टा। सोमवार को कृषि उपज मंडी में कुल आवक 17820 क्विंटल की रही। इस दौरान गेहूं सुजाता 2960 से 3210, गेहूं लोकवन 2700 से 3070, गेहूं पूर्णा 2560 से 2959, गेहूं मालवराज 2460 से 2595, गेहूं मिल 2386 से 2660, चना कांटा 3201 से 5640, चना मौसमी 5400 से 5670, चना सफेद 5360 से 5831, चना काटकू 4770 से 5580, सोयाबीन पीला 2000 से 5741, मसूर 5700 से 6400, मक्का 1063 से 2061 रुपए प्रति क्विंटल नीलाम हुआ। वहीं फल सब्जी मंडी में प्याज 200 से 1301, लहसुन 850 से 5460 रुपए प्रति क्विंटल नीलाम हुआ। कुल आवक 1729 क्विंटल रही।

गोशाला को मिलेगा पानी का टैंकर

आष्टा। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने अपने जन्मदिन पर हकीमाबाद स्थित आचार्य विद्यासागर गोसंवर्धन केंद्र गोशाला पहुंचकर गोमाता का पूजन किया। उन्होंने गायों को गुड़ और गोग्रास खिलाकर आशीर्वाद लिया। गर्मी में पानी की समस्या को देखते हुए उन्होंने गोशाला को एक टैंकर देने की घोषणा की। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया।

प्रदर्शन बिना सूचना निकाले कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन, बोले-कैसे करेंगे भरण पोषण

आष्टा नपा ने हटाए 85 आउटसोर्स कर्मचारी ने विरोध प्रदर्शन किया

डीआर संवाददाता»आष्टा

नगर पालिका प्रशासन ने 85 आउटसोर्स कर्मचारियों को अचानक हटा दिया। इसके बाद सोमवार को नगर पालिका कार्यालय में हंगामा हो गया। कर्मचारियों ने कार्यालय पहुंचकर विरोध प्रदर्शन किया और अधिकारियों पर मनमानी करने का आरोप लगाया।

कर्मचारियों ने बताया कि उन्हें बिना किसी पूर्व सूचना के हटाया गया, जबकि वे एक साल पहले टेंडर प्रक्रिया के तहत ठेकेदार के माध्यम से नियुक्त किए गए थे। विरोध के दौरान करीब एक घंटे तक कोई अधिकारी कर्मचारियों से मिलने नहीं पहुंचा। प्रदर्शनकारियों ने बताया कि वे अब इस मामले की शिकायत कलेक्टर से करने जा रहे हैं।

अचानक निरस्त किया टेंडर, एक साल में दो टेंडर बदले

जानकारी के अनुसार, नगर पालिका ने बीते एक साल में दो टेंडर जारी किए हैं और वर्तमान में निरस्त किया गया टेंडर महज कुछ माह पूर्व ही दिया गया था। वर्तमान में ठेकेदार के माध्यम से इन आउट सोर्स कर्मचारियों को रखा था। ठेका समाप्त होने के बाद ठेकेदार ने सभी 85 कर्मचारियों को हटा दिया। इस मामले में नगर पालिका सीएमओ विनोद प्रजापति ने कहा कि कर्मचारियों की नियुक्ति नगर पालिका ने सीधे नहीं की थी। ठेके की अवधि पूरी होने के कारण ठेकेदार ने उन्हें हटा दिया है। नगर पालिका की आर्थिक स्थिति फिलहाल कमजोर है, लेकिन छह महीने में सुधार की कोशिश की जाएगी। दो महीने का पीएफ जल्द कर्मचारियों के खातों में जमा कराया जाएगा।

कर्मचारियों ने लगाए रिश्वत और वेतन कटौती के आरोप

आउटसोर्स कर्मचारी रीना बाई और जितेंद्र सिंह ने बताया कि ठेकेदार ने बिना सूचना के सभी कर्मचारियों को हटा दिया, जिससे परिवार के भरण-पोषण पर संकट आ गया है। उन्होंने कहा कि पूरे साल में हमें कभी 7000 तो कभी 9500 रुपए तक की तनख्वाह दी दी गई, जबकि शासन के अनुसार हमें कलेक्टर रेट से भुगतान मिलना चाहिए था। कर्मचारियों ने यह भी आरोप लगाया कि 22 महीने का पीएफ जमा नहीं किया गया और नियुक्ति के समय 50,000 रुपए तक की एवज रिश्वत ली गई। उनका कहना है कि ठेकेदार और नगर पालिका के बीच मिलीभगत हो सकती है। शिकायत करने पर हटाने की धमकी दी जाती थी।

कर्मचारी रामप्रसाद और ललाबाई ने बताया कि उन्हें कई महीनों से नियमित वेतन नहीं मिला। हर महीने की 1 से 10 तारीख के बीच तनख्वाह मिलनी चाहिए, लेकिन महीना खत्म हो जाता है और पैसे नहीं मिलते। शिकायत करने पर हटाने की धमकी दी जाती थी। कर्मचारियों का कहना है कि अगर उनकी सुनवाई नगर पालिका में नहीं हुई, तो वे जल्द ही कलेक्टर से मिलकर अपनी शिकायत दर्ज कराएंगे।

सर्वसहमति से भाजपा नेत्री प्रेमलता को महिला मंडल का अध्यक्ष चुना

डीआर संवाददाता»सीहोर

शिव शक्ति सांस्कृतिक मंडल ने सोमवार को सात दिवसीय श्रीमद् भागवत कथा के आयोजन को लेकर बैठक की। यह बैठक सिंधी कॉलोनी में भगवान झूलेलाल मंदिर के सामने मैदान पर हुई।

कार्यक्रम का संचालन अखिलेश राय ने किया। अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति ने की। मंडल अध्यक्ष मनोज शर्मा की उपस्थिति में कार्यकारिणी का गठन किया गया। महिला मंडल अध्यक्ष के रूप में भाजपा नेत्री प्रेमलता राठौर को सर्वसम्मति से चुना गया। समाजसेवी ऋषि चौरसिया ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का पुष्पमाला पहनाकर और अंग वस्त्र भेंटकर स्वागत किया। इंग्लिशपुरा वार्ड नंबर 5 में 14 से 20 दिसंबर तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन होगा। कथा व्यास प्रज्ञा विष्णु प्रिया हर दिन दोपहर 1 बजे से शाम 4 बजे तक कथा सुनाएंगी। भजन गायक गोकुल शर्मा भजनों की प्रस्तुति देंगे।

कार्यकारिणी में संरक्षक के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, विधायक सुदेश राय, विधायक गोपाल सिंह इंजीनियर, पूर्व विधायक रमेश सक्सेना, भाजपा नेता गौरव सन्नी महाजन, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष राजीव गुजराती, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष सीताराम यादव, भाजपा नेता डॉ. अभय पटेल भाजपा मंडल अध्यक्ष सुदीप प्रजापति, भाजपा नेता पंकज गुप्ता, समाजसेवी दीपक सोनी, विवेक राठौर और जितेंद्र तिवारी को शामिल किया गया।

प्रतियोगिता में चार खिलाड़ियों ने जीता पदक

डीआर संवाददाता»बुदनी

शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय सॉफ्टबॉल प्रतियोगिता जो टीकमगढ़ में 28 अक्टूबर से एक नवंबर तक हुई थी। इस प्रतियोगिता में संस्था से पांच खिलाड़ियों का चयन हुआ था और सभी खिलाड़ियों ने भोपाल संभाग का प्रतिनिधित्व किया व अंडर 17 बालक वर्ग ने जबलपुर संभाग, रीवा संभाग, उज्जैन संभाग, जनजाति कार्य विभाग को हराकर रजत पदक प्राप्त किया और अंडर-19 बालक वर्ग में जबलपुर संभाग, इंदौर संभाग और रीवा संभाग को हराकर कांस्य पदक जीता। सभी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन रहा। इनके राज्य स्तरीय में प्रदर्शन के अनुसार आने वाले राष्ट्रीय स्तरीय प्रतियोगिता के लिए ट्रायल भी हुए। कोच विकास सिंह राजपूत के संरक्षण में अब तक संस्था से कई खिलाड़ी पदक जीत चुके हैं। सभी खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर संस्था के संचालक जेके त्रिपाठी, सीहोर एसोसिएशन के सचिव सीपी तिवारी, संस्था से रामकरण कुंवर, रोहित श्रीवास्तव आदि ने बधाई और शुभकामनाएं दी।

सिद्ध चक्र महामंडल विधान में भक्ति भाव से अर्घ्य अर्पित

डीआर संवाददाता»आष्टा

आष्टा। सिद्ध चक्र महामण्डल विधान जैन धर्म का एक अत्यंत पवित्र और शक्तिशाली आध्यात्मिक विधान है। यह विधान सिद्ध भगवानों, अर्थात वे आत्माएं जो संपूर्ण कर्मबंधन से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त कर चुकी हैं, की आराधना और स्मरण का प्रतीक है। इस विधान का उद्देश्य आत्मा को शुद्धि की ओर ले जाना, मिथ्यात्व का नाश करना और मोक्षमार्ग की दृढ़ साधना करना है। यह बातें नगर के श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन दिव्योदय अतिशय तीर्थ क्षेत्र किला मंदिर पर आयोजित सिद्ध चक्र महामण्डल विधान के अवसर पर मुनिश्री सानंद सागर मुनिराज ने कहीं।

यह विधान 29 अक्टूबर से प्रारंभ होकर 5 नवंबर तक चलेगा। भोपाल निवासी जयदीप जैन शास्त्री इस विधान को धार्मिक विधि विधान और भक्ति भाव से करवा रहे हैं। विधान की विशेषताएं सिद्धचक्र महामण्डल विधान 8 पदों से मिलकर बनता है। अरहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय, साधु, सम्यग्दर्शन, सम्यग्ज्ञान, सम्यक्चारित्र और तप। यह नौ पद मंगल आराधना के रूप में पूजनीय हैं। विधान में अभिषेक, पूजन, पाठ, आराधना और स्वाध्याय के माध्यम से आत्म कल्याण का मार्ग बताया गया है। मुनिराज ने कहा इस विधान के दौरान क्षमा, मैत्री, संयम और तप का अभ्यास प्रमुख रूप से किया जाता है। मुनिराज सानंद सागर ने आगे कहा सिद्ध चक्र मंडल विधान केवल एक यंत्र या मंडल नहीं, बल्कि यह आत्मा के भीतर बसे हुए सिद्धत्व का दर्शन है।

कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी आज को मनाई जाएगी

डीआर संवाददाता»सीहोर

जिला मुख्यालय के समीपस्थ देश और विदेश में प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम पर मंगलवार की शाम पांच बजे भव्य हरि-हर मिलन महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव में शामिल होने के लिए एक दिन पहले ही हजारों की संख्या में श्रद्धालु शामिल होने के लिए पहुंच रहे हैं। विठलेश सेवा समिति और प्रशासन ने भी यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए यातायात, पुलिस बल और पार्किंग आदि की व्यवस्था की है। हर साल की तरह इस साल भी अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के मार्गदर्शन में महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए निशुल्क भंडारे की व्यवस्था की गई है। सोमवार की सुबह विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित समीर शुक्ला, पंडित विनय मिश्रा सहित अन्य ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए भोजन प्रसादी की व्यवस्था की। यहां पर आने वाले श्रद्धालु रात्रि में भजन कीर्तन करेंगे। वहीं सोमवार को पंडित श्री मिश्रा ने कहाकि हरि-हर मिलन की धार्मिक-सांस्कृतिक परम्परा अपना विशेष महत्व रखती है। हर साल मंदिर परिसर में भव्य आयोजन किया जा रहा है।

विठलेश सेवा समिति के मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि कार्तिक महीने के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी मंगलवार को मनाई जाएगी। इसे बैकुंठ चतुर्दशी भी कहते हैं। शाम को हरिहर मिलन होगा। हरि यानि भगवान विष्णु और हर मतलब भगवान शिव। इस दिन शिवजी भगवान विष्णु को सृष्टि के संचालन का कार्यभार सौंपेंगे। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक भगवान विष्णु चातुर्मास के दौरान देवशयनी ग्यारस से देवउठनी ग्यारस तक शिव को संपूर्ण जगत की जिम्मेदारी सौंपकर क्षीरसागर में विश्राम करने जाते हैं। बैकुंठ चतुर्दशी पर वे सत्ता फिर शिवजी भगवान विष्णु को सौंपते हैं। हरि-हर मिलन की परम्परा कार्तिक महीने के शुक्लपक्ष की चतुर्दशी तिथि पर भगवान शिव और विष्णुजी का मिलन करवाया जाता है। दोनों देवताओं की महापूजा की जाती है। रात्रि जागरण भी किया जाता है। माना जाता है कि चातुर्मास खत्म होने के साथ भगवान विष्णु के योग निद्रा से जागते हैं और इस मिलन पर भगवान शिव सृष्टि चलाने की जिम्मेदारी फिर से विष्णु जी को सौंपते हैं। भगवान विष्णु जी का निवास बैकुंठ लोक में होता है इसलिए इस दिन को बैकुंठ चतुर्दशी भी कहते हैं।

3.0 के तहत आयोजित की जा रही हैं अनेक जागरूकता गतिविधियां

डीआर संवाददाता»सीहोर

कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में संचालित किए जा रहे टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 के तहत जिले में अनेक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में अभियान के तहत स्कूल बच्चों द्वारा जिला चिकित्सालय सहित जिले के विभिन्न स्कूलों में तंबाकू एवं निकोटिन उत्पादों के दुष्प्रभावों पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और समुदाय को तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्परिणामों से जागरूक करना तथा तंबाकू मुक्त जीवन की प्रेरणा देना था।

नोडल अधिकारी श्री नेहा सिंह ने बताया कि अभियान के तहत मॉडल नर्सरी हायर सेकेंडरी स्कूल के बच्चों ने नुक्कड़ नाटक के माध्यम से तंबाकू सेवन से होने वाले स्वास्थ्य नुकसान, सामाजिक प्रभाव तथा लत से मुक्ति के उपायों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इस अवसर पर दर्शकों ने बच्चों के प्रदर्शन की सराहना की और तंबाकू मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प लिया। इसके साथ ही कार्यक्रम में बच्चों को ई-सिगरेट (इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट) के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी गई। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर श्री बालागुरू के. के निर्देशानुसार जिले में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत 09 अक्टूबर से 09 दिसंबर तक 60 दिवसीय विशेष अभियान टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 चलाया जा रहा है। इस अभियान का उद्देश्य युवाओं को तंबाकू से होने वाली घातक बीमारियों से बचाना और जागरूक करना है। शासन द्वारा अभियान के तहत सीहोर जिले के 400 स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने का लक्ष्य प्रदान करते हुए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। जिसके प्रथम चरण में सीहोर जिले के 100 स्कूलों को तंबाकू मुक्त बनाने के का लक्ष्य निर्धारित किया गया। इस लक्ष्य को पूर्ण करने के उद्देश्य से जिले में अनेक जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं। ताकि सभी स्कूलों के साथ ही जिले को भी तंबाकू मुक्त जिला बनाया जा सके।

टीएल मीटिंग सात दिवसीय भाउपज खरीदी में एफएक्यू के संबंध में शासन के निर्देशों का करें पालन -

समय-सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करें अधिकारी - कलेक्टर

डीआर संवाददाता»सीहोर

कलेक्टर श्री बालागुरू के. की अध्यक्षता में जिला पंचायत सभाकक्ष में टीएल बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने सभी विभागों के समय-सीमा वाले प्रकरणों और सीएम हेल्पलाइन में लंबित प्रकरणों की समीक्षा की और समय सीमा के भीतर सभी प्रकरणों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने के निर्देश दिए। सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों की समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने कहा कि सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें प्राथमिकता से बंद कराई जाएं। बैठक में कलेक्टर श्री बालागुरू के. ने भावांतर योजना के अंतर्गत खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संचालित करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कहा कि मंडियों में सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि किसानों द्वारा विक्रय किए गए उपज का भुगतान निर्धारित समय सीमा में किया जाए और किसी भी किसान का भुगतान लंबित न रहे। उन्होंने कहा कि खरीदी प्रक्रिया के दौरान एफएक्यू मानकों के संबंध में शासन के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया जाए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि मंडियों में साफ-सफाई, तौल मशीनों की सटीकता, परिवहन, उपज के भंडारण और किसानों के विश्राम की सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए। कलेक्टर ने यह भी कहा कि भावांतर योजना का लाभ हर पात्र किसान तक पहुंचे।

बैठक में उन्होंने नेशनल हाईवे और रेलवे परियोजनाओं के लिए किए जा रहे भू-अर्जन, मुआवजा वितरण तथा कब्जा दिलाने की प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि अधिग्रहित भूमि से संबंधित सभी प्रकरणों को नियमानुसार और पारदर्शी ढंग से शीघ्र निपटाया जाए, ताकि विकास परियोजनाओं में किसी प्रकार की देरी न हो।

धर्मशाला में बिना अनुमति चल रहा स्कूल,

डीआर संवाददाता»आष्टा

शहर की अखिल भारतीय बलाई मालवीय समाज की धर्मशाला में निजी स्कूल श्रीराम विद्या मंदिर संचालित हो रहा है। इसकी शिकायत एसडीएम नितिन टाले और शिक्षा विभाग के अधिकारियों से की गई थी। जांच में स्कूल में कई अनियमितताएं पाई गईं। जिला शिक्षा अधिकारी को कार्रवाई के लिए पत्र भेजा गया है। बंशीलाल बाम्बे ने शिकायत में बताया कि स्कूल बिना अनुमति के धर्मशाला में चल रहा है। बच्चों के बैठने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। कमरे भी कम हैं। प्राचार्य कक्ष, शौचालय और पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है। योग्य शिक्षक भी नहीं हैं। बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है। उन्होंने स्कूल और संचालक पर कार्रवाई की मांग की थी।

डीआर विदिशा

गंजबासौदा, कुरवाई, सिरोंज, लटेरी, नटेरन, शमशाबाद, ग्यारसपुर, गुलाबगंज, पठारी, सेउ | कार्तिक शुक्ल पक्ष-14,2082 | विदिशा, दिन सोमवार, दिनांक 03 नवंबर 2025

न्यूज गैलरी

विद्यालय में घुसकर शिक्षक पर लाठी से हमला

विदिशा। पठारी तहसील के शासकीय माध्यमिक विद्यालय बनोंधा में 31 अक्टूबर को एक असामाजिक तत्व ने शिक्षकों और बच्चों के सामने उपद्रव किया। आरोपी ने स्कूल परिसर में घुसकर शिक्षकों को गालियां दीं। जान से मारने की धमकी दी। शिक्षक सुजेन मालवीय पर लाठी से हमला कर दिया। पूरी घटना का वीडियो मौजूद है। मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिलाध्यक्ष ईश्वर शर्मा रघुवंशी ने घटना की निंदा की। उन्होंने कहा, शिक्षा के मंदिर में इस तरह का व्यवहार शर्मनाक है। घटना की जानकारी मिलते ही संघ के जिला सचिव, पठारी तहसील अध्यक्ष और कार्यकारी अध्यक्ष मौके पर पहुंचे। पीड़ित शिक्षक की मदद की। तत्काल एफआईआर दर्ज कराई गई।

गोशाला में नियमित परीक्षण के लिए शिविर

विदिशा। शासकीय गौशालाओं के पशुधन का समय-समय पर परीक्षण शिविर के माध्यम से किया जा रहा है। इस दौरान निजी पशुपालकों को भी सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। इसी कड़ी के तहत पठारी तहसील की ग्राम पंचायत बरखेड़ा की श्री कृष्ण गौशाला, ग्राम पंचायत बरखेड़ा में बांझपन निवारण, एआई (कृत्रिम गर्भाधान) एवं टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पशुपालकों ने भाग लिया तथा बड़ी संख्या में पशुओं का टीकाकरण एवं उपचार किया गया। पशु चिकित्सा विभाग की टीम द्वारा पशुओं की स्वास्थ्य जांच कर आवश्यक सलाह भी दी गई है।

मतदाता सूची जांच कार्य का अपर कलेक्टर ने किया निरीक्षण

विदिशा। अपर कलेक्टर अनिल कुमार डामोर ने विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 144 विदिशा के विभिन्न मतदान केन्द्रों की मतदाता सूची की जांच कर रहे बीएलओ के कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने ग्राम अटारी खेजड़ा एवं ग्यारसपुर में बीएलओ द्वारा किए जा रहे विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी कार्य का अवलोकन किया तथा मतदाता सूची जांच कार्य को समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने बीएलओ को मतदाता सूची के अद्यतन कार्य में पारदर्शिता एवं शुद्धता बनाए रखने के निर्देश भी दिए।

पेंशन प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के दिए निर्देश

विदिशा। जिले में लंबित पेंशन प्रकरणों की समीक्षा के दौरान यह पाया गया है कि विभिन्न विभागों से कुल 26 पेंशन प्रकरण अब तक प्राप्त नहीं हुए हैं। इनमें 2 न्यायालयीन, 7 विभागीय जांच, 1 वैध उत्तराधिकारी तथा 16 सामान्य प्रकरण शामिल हैं। संबंधित विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि न्यायालयीन, विभागीय जांच एवं वैध उत्तराधिकारी से संबंधित प्रकरणों की अद्यतन स्थिति शीघ्र उपलब्ध कराएं तथा शेष 16 प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर जिला पेंशन कार्यालय, विदिशा में प्रस्तुत करें। जिला पेंशन अधिकारी उपेन्द्र सिंह मरावी ने बताया कि सभी विभागों को पेंशन प्रकरणों के त्वरित एवं पारदर्शी निराकरण में पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा। अधिकारियों से अपेक्षा की गई है कि वे इस कार्य को सर्वोच्च प्राथमिकता से पूर्ण करें ताकि सेवानिवृत्त कर्मचारियों को समय पर पेंशन का लाभ मिल सके। सेवा समाज ने 56 पौधे लगाए, समाज जन पुरस्कार

आठ माह पहले मप्र के बजट में स्वीकृत हुई सड़कों निर्माण का अब तक अता पता नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री भी जता चुके शहर की खराब सड़कों पर चिंता, फिर भी गड्ढे तक नहीं भरें

पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाई जाने वाले सड़कों के लिए री टेंडर हुई। निर्माण कब से शुरु होगा पता नहीं।

आठ माह पहले मप्र के बजट में विदिशा की आठ सड़कों को स्वीकृति मिली थी, लेकिन सड़क निर्माण का आज तक अता पता नहीं है। वहीं करीब 16 दिन पहले पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी जिला स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान शहर की खराब सड़कों पर चिंता व्यक्त की थी। लेकिन सड़कों का निर्माण तो दूर कई सड़कों के आज तक गड्ढे तक नहीं भरे गए है।

पिछले दिनों 2 दिन हुई बारिश में ऐसी हुई थी पूरनपुरा गली नंबर पांच की सड़क की स्थिति

डीआर संवाददाता ▸▸ विदिशा

शहर की सड़कें अब सड़क कम और गड्ढों का मायाजाल ज्यादा बन गई हैं। विदिशा में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 16 दिन पहले 17 अक्टूबर को जिला स्तरीय बैठक ली थी। करीब 8 माह पहले मप्र के बजट में विदिशा की 8 सड़कों को स्वीकृति मिली थी, लेकिन इनका काम आज तक शुरू नहीं हो सका है। विगत दिनों दो दिन हुई बारिश में ही शहर की सड़कों के गड्ढे साफ दिखाई देने लगे थे।

माधवगंज हॉस्पिटल रोड से रविशंकर चौराहा, नीमताल चौक तक एक किलोमीटर की सड़क 3.02 करोड़ में बनेगी। रामदीपुरा से गुरुद्वारा होते हुए हॉस्पिटल रोड तक 1.4 0 किलोमीटर की सड़क 3.96 करोड़ में बनेगी। रामलीला से बजरिया और गल्लामंडी चौक तक 1.60 किलोमीटर की सड़क 4.79 करोड़ में तैयार होगी। किरी मोहल्ला से बड़ीपुरा चौराहा तक 1.20 किलोमीटर की सड़क 2.99 करोड़ में बनेगी। नीमताल से तिलक चौक और मयूर स्कूल चौक से बड़ा बाजार तक 1.10 किलोमीटर की सड़क 2.74 करोड़ में बनेगी। विदिशा शहर में कुल 8 नई सड़कों का निर्माण होना है। पूरनपुरा से ओमेंद्र कॉलोनी बायपास तक गली नंबर पांच की सड़क बदहाल है। रामलीला मैदान से बड़ीपुरा पुरानी गल्ला मंडी तक की सड़क सबसे ज्यादा खराब है। नीमताल से बड़ा बाजार, बजरिया, रामद्वारा से हरीपुरा जैसी सड़कों पर गड्ढे जानलेवा बन गए हैं। शबरी सिटी और शिवाजी चौक जैसी प्रमुख सड़कों की हालत सबसे खराब है।

पुराने हॉस्पिटल पर हादसों में कई लोग गिरकर घायल हो चुके हैं। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व विदेश मंत्री सुषमा स्वराज और पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान जैसे दिग्गज नेताओं के नाम से पहचाने जाने वाले विदिशा में सड़कों की इतनी खराब स्थिति पहले कभी नहीं हुई। पिछले 8 साल में विदिशा नपा ने सड़क निर्माण पर करीब 85 करोड़ रुपये खर्च किए। शबरी सिटी की सड़क को बने अभी साल भर भी पूरा नहीं हुआ, फिर भी जगह-जगह डामर उखड़ गया। शिवाजी चौक से चोपड़ाकुई तक की सड़क का डामर बारिश में बह गया। कई जगह एक-एक फीट गहरे गड्ढे उभर आए। शहर की मुख्य और अंदरूनी सड़कों की हालत इतनी खराब है कि दोपहिया वाहन चालक हादसों का शिकार हो रहे हैं। विदिशा की कई प्रमुख सड़कों की स्थिति खराब है। इसी बात को लेकर शिवराज सिंह चौहान नाराज दिखे हैं। अब देखना यह है कि शहर की सड़कों का निर्माण कब होगा।

जल्द काम होगा

पीडब्ल्यूडी द्वारा बनाई जाने वाले सड़कों के टेंडर हो चुके है। यह उनके ऊपर है कि वह वर्क ऑर्डर कब देते है। रही बात नगरपालिका द्वारा बनाई जाने वाली सड़कों की तो टेंडर प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। नपा द्वारा बनाई जाने वाले सड़कों का काम 15 दिन में शुरू हो जाएगा।

दुर्गेश सिंह ठाकुर, नगरपालिका सीएमओ विदिशा

वन विभाग ने 25 हेक्टेयर भूमि मुक्त कराई

डीआर संवाददाता ▸▸ विदिशा

वन विभाग ने 25 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई

वन विभाग की सक्रियता से लटेरी वन परिक्षेत्र की करीब 25 हेक्टेयर भूमि अतिक्रमण से मुक्त कराई गई है। यह कार्रवाई वनमंडलाधिकारी श्री हेमंत यादव के निर्देश पर की गई। वन परिक्षेत्र अधिकारी लटेरी प्रवीण विवेक चौधरी के नेतृत्व में बीट मुंडेला के कक्ष क्रमांक पी-383 में 12 अतिक्रमणकारियों के विरुद्ध कार्यवाही की गई। अवैध रूप से बोई गई फसलों को तीन जेसीबी मशीनों की सहायता से नष्ट किया गया। इसके बाद भूमि पर कंटूर बनाकर बबूल के बीज बोए गए और सीमा पर पशु अवरोधक खंती तैयार की गई, ताकि दोबारा अतिक्रमण न हो सके। गौरतलब है कि इन अतिक्रमणकारियों ने 18 मार्च 2024 को वन अमले से विवाद किया था, जिसके संबंध में थाना लटेरी में प्रि प्रथमिकी दर्ज है। इस कार्रवाई में एसडीओ (वन) हिमांशु त्यागी, एसडीओपी लटेरी, थाना प्रभारी या लटेरी, तहसीलदार लटेरी सहित पुलिस बल और राजस्व अमला भी मौजूद रहा।

वनमंडलाधिकारी श्री यादव ने कहा कि वन भूमि पर अवैध कब्जा या खेती किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। वन विभाग द्वारा ऐसे अतिक्रमणों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी रहेगा।

बाल स्वयंसेवकों का पथ संचलन, घोष पर कदमताल

डीआर संवाददाता ▸▸ विदिशा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विदिशा नगर द्वारा रविवार को बाल पथ संचलन निकाला गया। संचलन सरस्वती शिशु मंदिर, तलैया से शुरू हुआ। नगर के प्रमुख मार्गों से होता हुआ पुनः तलैया विद्यालय परिसर में समाप्त हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत शस्त्र पूजन और भारत माता, संघ संस्थापक डॉक्टर हेडगेवार व गुरुजी के चित्रों पर माल्यार्पण से हुई। मंच पर नगर संघचालक विनीत अग्रवाल ने अध्यक्षता की। मुख्य अतिथि प्रोफेसर अरविंद द्विवेदी और मुख्य वक्ता अखिलेश श्रीवास्तव, प्रांत सह प्रचार प्रमुख, मध्यभारत प्रांत मौजूद रहे। अखिलेश श्रीवास्तव ने अपने बौद्धिक में भारत के गौरवशाली इतिहास का उल्लेख किया। उन्होंने संघ के शताब्दी वर्ष के लिए पंचविध परिवर्तन – कुटुंब प्रबोधन, सामाजिक समरसता, नागरिक कर्तव्य, स्व का बोध और पर्यावरण संरक्षण पर विशेष बल दिया। उन्होंने कहा कि शाखा व्यक्ति निर्माण की फैक्ट्री है। हर नागरिक को संघ शाखा से जुड़ना चाहिए ताकि समाज में एकता और अखंडता बनी रहे। पथ संचलन में 3 से 18 वर्ष आयु वर्ग के सैकड़ों बाल और शिशु स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में घोष की धुन पर अनुशासित कदमताल की। मार्ग में कई स्थानों पर नागरिकों ने पुष्प वर्षा कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया। यह जानकारी नगर प्रचार प्रमुख प्रदीप रघुवंशी और राजू मालवीय ने दी।

दिग्विजय का तंज रू अकेले विदिशा में सांड नहीं लड़ रहे, पूरी भाजपा में सांड लड़ रहे

डीआर संवाददाता ▸▸ विदिशा

पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह रविवार को विदिशा पहुंचे और कई निजी कार्यक्रमों में शिरकत की। खैरा मजार के पास बड़ी हवेली में कार्यक्रम के बाद जब उनकी गाड़ी निकली, तो सड़क पर दो सांड आपस में लड़ रहे थे। इसे देख दिग्विजय ने तंज कसा, "सांड अकेले विदिशा में ही नहीं लड़ रहे, पूरी भाजपा में सांड लड़ रहे हैं।" यह कहकर वे मुस्कुराने लगे। इस मौके पर पूर्व सांसद प्रताप भानु शर्मा भी उनके साथ मौजूद थे। दिग्विजय का यह बयान भाजपा की आंतरिक कलह पर व्यंग्य माना जा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री रविवार को कई कार्यक्रम शामिल हुए। वे सर्किट हाउस पहुंचे और कांग्रेस की पूर्व मुख्यमंत्री विदिशा दौरे के दौरान बड़ी हवेली पहुंचे। कार्यकर्ताओं से चर्चा की। वे डॉक्टर बसंत सिंह के निधन के बाद बड़ी हवेली पहुंचे और अपनी शोक संवेदनाएं व्यक्त की। इसके अलावा वे पूर्व विधायक डॉ सूर्य प्रकाश सक्सेना एवं एडवोकेट ओमर सिंह जी के निधन के बाद उनके निवास पर पहुंचे थे। इसके अलावा वे कांग्रेस नेता पंकज जैन की बेटी की शादी में शामिल हुए।

नटेरन में गोपाष्टमी का भव्य आयोजन संपन्न

डीआर संवाददाता ▸▸ नटेरन

विश्व हिन्दू परिषद बजरंग दल गौ रक्षा विभाग के तत्वावधान में प्रखंड नटेरन में गोपाष्टमी का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संत श्री सत्यनारायण गुरुजी एवं सोनू शर्मा की पावन उपस्थिति रही, जिन्होंने गौ माता की सेवा के महत्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्रखंड संयोजक विशाल यादव, खंड मंत्री छोटेलाल, तथा कार्यकर्ता लेखराज कुशवाहा, नीलेश कुशवाहा, नीरज कुशवाहा, जितेन कुशवाहा, आकाश कुशवाहा, यश ठाकुर एवं अजय कुशवाहा सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में गौ सेवा, भजन-कीर्तन एवं सत्संग के माध्यम से धार्मिक वातावरण निर्मित हुआ। श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर गोमाता की सेवा एवं संरक्षण का संकल्प लिया।

अगले 3 दिन हल्की बारिश के आसार, फिर बढ़ेगी ठंड, बदलेगा मौसम

डीआर संवाददाता ▸▸ विदिशा

नवंबर की शुरुआत में ही विदिशा जिले का मौसम बदलता नजर आ रहा है। आने वाले तीन हल्की तीन दिनों तक बादलों के बीच हल्की बारिश संभावना है। रविवार को दिनभर आसमान में बादल छाए रहे। बीच-बीच में ठंडी हवाएं चलीं। विभाग के अनुसार, अरब सागर और बंगाल में मौसम में हल्की विक्षुब्ध गोल रही। मौसम की खाड़ी में बने दो निम्न दाब क्षेत्र (लो प्रेशर सिस्टम) के कारण कुछ कुछ हिस्सों में बारिश की संभावना बनी हुई है। हालांकि, इसका असर सीमित रहेगा। सीहोर कृषि में महाविद्यालय के मौसम वैज्ञानिक डॉ.

रविवार को दिनभर बादल छाए रहे।

एस.एस. तोमर ने बताया कि जिले में अगले तीन दिन तक हल्की बारिश का दौर रह सकता है। लेकिन भारी बारिश की कोई चेतावनी नहीं है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों से सक्रिय सिस्टम अब कमजोर पड़ रहे हैं, जिससे व्यापक वर्षा की संभावना नहीं है।

जल्द बढ़ने लगेगी ठंड

3 नवंबर की रात से पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र में एक नया वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय होगा। इसका असर 48 घंटे बाद विदिशा समेत आसपास के जिलों में दिखाई देगा। इसके चलते उत्तरी हवाएं तेज होंगी और दिन का तापमान गिरने लगेगा। नवंबर के दूसरे सप्ताह से ठंड का असर और महसूस होगा।

डॉ. एसएस तोमर, मौसम विशेषज्ञ

ट्रिपिंग 33 केवी के फीडरों पर 150 बार हुई ट्रिपिंग, पिछले वर्ष कम फिर भी

अक्टूबर से ज्यादा कम लोड पर भी सिस्टम मार रहा ट्रपिंग, बार-बार फॉल्ट

डीआर संवाददाता ▸▸ विदिशा

पूरे साल मेंटेनेंस के बाद भी बिजली कंपनी के फीडरों पर ट्रिपिंग थमने का नाम नहीं ले रही। अक्टूबर महीने के दौरान शहर में 33 केवी के फीडरों पर 150 बार ट्रिपिंग हुई है। जो कि अक्टूबर 2024 की तुलना में ज्यादा है। ये स्थिति तब है जबकि पूरे वर्ष रोजाना 8 से 10 फीडरों को बंद रख उनका मेंटेनेंस किया गया है और कई फीडरों पर अनेक बार मेंटेनेंस का काम हो चुका है। उसके बाद भी फीडर ट्रिपिंग रुक नहीं रही। हालांकि, राहत की बात ये है कि सितंबर की की तुलना में देखें तो अक्टूबर में कम ट्रिपिंग रही। जबकि बिजली कंपनी के अधिकारी लगातार दावा करते हैं कि बिजली सप्लाई की बेहतरी के लिए लगातार मेंटेनेंस किया जा रहा है। बिजली अफसरों की विफलता के कारण शहरवासियों को कटौती की दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। पहले तो फीडरों को मेंटेनेंस के लिए 4 से 6 घंटे तक अलग-अलग दिन बंद किया जाता है। फिर ट्रिपिंग के कारण भी कटौती झेलनी पड़ती है। इसके अलावा फॉल्ट भी लोगों की मुसीबत बढ़ा रहे हैं।

23 को प्रांतीय सम्मेलन की तैयारियों पर चर्चा एवं कर्मचारी संघ की जिला स्तरीय बैठक अजाक्स कार्यालय में हुई। इसमें जिलेभर के अध्यक्ष कार्यकारिणी हुए। बैठक में 23 नवम्बर को होने वाले प्रांतीय सम्मेलन की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला संरक्षक प्रोफेसर एसएम गोलिया रहे। विशेष अतिथि के रूप में जिला अध्यक्ष सीएल दशवंत मौजूद रहे। अध्यक्षता कार्यवाहक जिला अध्यक्ष भगवानदास जाटव ने की। इस मौके पर नवनियुक्त तहसील और ब्लॉक अध्यक्षों को नियुक्ति पत्र दिए गए।

प्रकरणों की समीक्षा, कार्रवाई के निर्देश

26 अपूर्ण विदिशा जिला पेंशन अधिकारी उपेंद्र सिंह मरावी ने बताया कि समीक्षा में जिले के विभिन्न विभागों से अब तक 26 पेंशन प्रकरण अप्राप्त है, जिनमें 2 न्यायालयीन, 7 विभागीय जांच, 1 वैध उत्तराधिकारी और 16 सामान्य प्रकरण शामिल है। अधिकारी ने सभी विभागों के आहरण एवं संवितरण अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे लंबितप्रकरणों की अद्यतन स्थिति शीघ्र प्रस्तुत करें।

शिक्षक संघ की पहली बैठक डाइट में हुई

डीआर संवाददाता ▸▸ विदिशा

पीएमयूएम शिक्षक संघ की जिले में पहली बैठक डाइट परिसर में हुई। बैठक में जिला प्रभारी मुकेश दुबे ने शिक्षक कल्याण कोष संस्थान के कार्यों की जानकारी दी। जिला संयोजक मुकेश शर्मा ने संगठन की कार्यविधि और आगामी योजनाओं पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन शिवकुमार तिवारी ने किया। बैठक में जिले के अलग-अलग ब्लॉकों से शिक्षक और पदाधिकारी शामिल हुए।

प्रमुख रूप से एपीसी रामकुमार श्रीवास्तव, सीएसी महेंद्र यादव, चंद्रप्रकाश शर्मा, कैलाश जोशी, शिवकुमारी बिलोरिया, नीरज चतुर्वेदी, अर्जुन राठौर, तेजसिंह मालवीय, राजेश वैष्णव, अशोक ओझा, लल्लूलाल भोई, सुनील सेन, दीपक तिवारी, रविप्रकाश दुबे, भैरोसिंह, कमलेश विश्वकर्मा, हेमंत तिवारी, चरण सिंह शाक्य, प्रवीण आचार्य, पंकज कासवे, जीवन प्रजापति और केशव रघुवंशी मौजूद रहे। बैठक का उद्देश्य शिक्षकों के हित और कल्याण के लिए संगठनात्मक समन्वय को मजबूत करना रहा।

डीआर राजगढ़

नरसिंगढ़, ब्यावरा, कुरावर, करनवास, सारंगपुर, जीरापुर, खिलचीपुर, छापीहेड़ा, तलेन   कार्तिक शुक्ल पक्ष– 14, 2082   राजगढ़, दिन मंगलवार, दिनांक 04 नवंबर 2025

न्यूज गैलरी

पांच के फूलमाली समाज का प्रतिभा सम्मान समारोह

ब्यावरा। फूलमाली समाज का 14 वां प्रतिभा सम्मान समारोह बुधवार 5 नवंबर को गोपी मैरिज गार्डन बस स्टैंड खिलचीपुर में सुबह 10.30 बजे आयोजित गया है। है। जिसमें राजगढ़ जिले के साथ गुना जिले की चाचौड़ा तहसील के 196 प्रतिभाओं को सम्मानित किया जाएगा। आयोजन समिति के मीडिया प्रभारी सुरेश सुमन ने बताया कि सम्मान समारोह में 5वीं, 8 वीं में ए ग्रेड, 10वीं, 12वीं, स्नातक में 70 प्रतिशत प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं का सम्मान किया जाएगा इसमें कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

विवाद रू पानी की पाइप लाइन खोलने पर मारपीट

ब्यावरा। देहात थाना क्षेत्र के बापड़ेखेड़ा गांव में पानी की पाइप लाइन खोलने पर दो पक्षों में विवाद हो गया। गाली गलौज से शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया है। इसमें फरियादी हरिसिंह की तरफ से आरोपी प्रकाश, सुरेश, गोपाल और अनिल के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं फरियादी प्रकाश कुशवाह की शिकायत पर आरोपी हरी सिंह, अनिल और दशरथ कराबाह पर प्रकरण दर्ज किया।

29वें राष्ट्रीय युवा उत्सव प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

राजगढ़। 29वें राष्ट्रीय युवा उत्सव अंतर्गत जिले में जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन इनडोर खेल परिसर में किया गया। जिसमें भाषण, पेंटिंग, कहानी लेखन, कविता लेखन, विज्ञान मेला प्रदर्शनी, लोकनृत्य एवं लोकगीत विधा में पर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष श्री विनोद साहू द्वारा सरस्वती पूजन कर किया गया। जिला स्तरीय युवा उत्सव में जिले के लगभग 300 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। भाषण विधा में प्रथम स्थान पर जेन्स अस्टिन, द्वितीय स्थान पर ओम कुमावत एवं तृतीय स्थान ऐश्वर्या सागर ने प्राप्त किया।

डिस्ट्रिक्ट कान्ट्रेक्ट सेंटर स्थापित

राजगढ़। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में निर्वाचक नामावली के विशेष गहन पुनरीक्षण 28 अक्टूबर, 2025 से 07 फरवरी, 2026 तक की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए जिला स्तर पर मतदाताओं की शिकायतें प्राप्त करने हेतु जिला स्तर पर जिला डिस्ट्रिक्ट कान्ट्रेक्ट सेंटर स्थापित किया गया है। मतदाताओं से दूरभाष नम्बर 1950 पर शिकायत प्राप्त होने पर उक्त शिकायत का तत्काल निराकरण किये जाने हेतु महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री श्यामबाबू खरे मोबाईल नम्बर 9926336918 को जिला नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री खरे उप जिला निर्वाचन अधिकारी के मार्गदर्शन में कार्य करेंगे।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव 6 व 7 नवंबर को आयोजित होगा

गुना। 29 वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव 6–7 नवंबर को होगा। इस बार इसकी थीम सांस्कृतिक और नवाचार थीम रहेगी। जिला स्तरीय आयोजन पीजी कॉलेज में 6 नवंबर को सुबह 10.30 बजे से होगा। इसमें कहानी, लेखन, कविता लेखन पेंटिंग, विज्ञान प्रदर्शन किया जायेगा।

टीएल बैठक में लापरवाहियों पर तल्ख रुख में नजर आए कलेक्टर

एपीओ पर जुर्माना, जेएसओ और पंचायत सचिव की वेतनवृद्धि रोकी

डीआर संवाददाता ▶▶ राजगढ़

कलेक्टर डॉ. गिरीश मिश्रा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को समय–सीमा बैठक आयोजित की गई। विभिन्न विभागों से संबंधित योजनाओं में लापरवाही पर कलेक्टर ने कुछ कर्मचारियों पर जहां जुर्माना अधिरोपित किया, वहीं जिला खाद्य एवं आपूर्ति अधिकारी सहित एक पंचायत सचिव की वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश प्रदान किए हैं।

कुछ शिकायतों के संतुष्टिपूर्वक निराकरण न किए जाने पर कलेक्टर ने जेएसओ एवं पंचायत सचिव की एक वेतनवृद्धि रोकने के निर्देश प्रदान किए। इसी तरह एक एपीओ मनरेगा पर 2 हजार रुपए का जुर्माना अधिरोपित करने की कार्यवाही की है। इसी तरह खाद्खेड़ा के पास पीजल सिविटिंग प्रकरण में लापरवाही पर एसडीओ एवं पीडब्ल्यूडी विभाग के कर्मचारियों को निलंबित करने के निर्देश कलेक्टर द्वारा दिए गए।

मुख्यालय स्थित नेवज नदी पर स्थित छोटी पुलिया पर

हुए गड्ढों के शीघ्र मेंटेनेन्स के निर्देश भी पीडब्ल्यूडी के अधिकारियों को प्रदान किए गए बाल–विवाह रोकथाम हेतु अलर्ट मोड पर रहें कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने बाल विवाह रोकथाम पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सभी अधिकारी इस दिशा में सजग रहें। उन्होंने निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएं, पंचायत सचिवों को सक्रिय रखा जाए और किसी भी बाल विवाह की सूचना पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने भावांतर योजना की भी समीक्षा की और कृषि विभाग से पूछा कि कितने किसानों के खातों में राशि पहुंची, कितनी लंबित प्रविष्टियां हैं और फेल पेमेंट के कारण क्या हैं। उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और अपडेट की आवश्यकता बताई। बैठक में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति एवं पुस्तक वितरण, महावता सूची के गहन पुनरीक्षण, भावान्तर योजना, सीएम हेल्पलाइन से जुड़े मामलों को लेकर भी कलेक्टर ने कई अहम निर्देश प्रदान किए।

कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने बाल विवाह रोकथाम पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि सभी अधिकारी इस दिशा में सजग रहें। उन्होंने निर्देश दिए कि ब्लॉक स्तर पर कार्यशालाएं आयोजित की जाएं, पंचायत सचिवों को सक्रिय रखा जाए और किसी भी बाल विवाह की सूचना पर तुरंत सख्त कार्रवाई की जाए। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने भावांतर योजना की भी समीक्षा की और कृषि विभाग से पूछा कि कितने किसानों के खातों में राशि पहुंची, कितनी लंबित प्रविष्टियां हैं और फेल पेमेंट के कारण क्या है। उन्होंने नियमित मॉनिटरिंग और अपडेट की आवश्यकता बताई।

बैठक में पुस्तक वितरण और छात्रवृत्ति वितरण की प्रगति की भी समीक्षा की गई। शिक्षा विभाग को निर्देश दिए गए कि सभी पात्र विद्यार्थियों को समय पर लाभ मिले। अक्टूबर माह में जल संसाधन विभाग का प्रदर्शन कमजोर रहा। साथ ही एपीओमनरेगा पर 2 हजार रूपये का जुर्माना अधिरोपित किया। कलेक्टर डॉ. मिश्रा ने कहा कि बाल विवाह, विशेष गहन पुनरीक्षण, भावांतर योजना और सभी प्राथमिक योजनाओं पर गंभीरता से कार्य किया जाए तथा संबंधित जिला अधिकारी नियमित समीक्षा कर जिम्मेदारी तय करें।

वारंट तामीली अभियान में सफलता, 570 वारंट किए तामील

डीआर संवाददाता ▶▶ राजगढ़

जिले में कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाने तथा न्यायालयीन आदेशों का समय पर पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से राजगढ़ पुलिस द्वारा चलाए गए विशेष वारंट तामीली अभियान में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त हुई है। इस पूरे अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम देने राजगढ़, ब्यावरा, सारंगपुर, नरसिंहगढ़ एवं जीरापुर के एसडीओपी सहित 20 थानों के थाना प्रभारी एवं 1 हजार से अधिक पुलिस बल ने संयुक्त रूप से अंजाम देकर सफलता पाई। पूरे अभियान जिला सायबर सेल टीम ने भी अपनी सक्रिय भूमिका निभाई। अभियान के तहत न केवल प्रत्येक थाना क्षेत्र में लंबित मामलों की विस्तृत समीक्षा कर विशेष तामीली टीमें गठित की गई बल्कि इन टीमों ने सतत निगरानी रखते हुए दिन–रात अभियान चलाया और जिले के विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्रवाई करते हुए बड़ी संख्या में वारंटों की तामीली की।

विभिन्न प्रकृति के 570 वारंट किए तामील

पुलिस विभाग से मिली जानकारी के अनुसार पूरे जिले में कुल 570 वारंट तामील करवाए गए हैं जिनमें गिरफ्तारी वारंट 265, स्थाई वारंट 300 एवं वसूली वारंट 5 शामिल थे। उद्घोषित 8 फरार आरोपी जो गिरफ्तार किए गए जिनमें गंभीर मामलों के 2 अपराधी शामिल हैं। यह अभियान पुलिस अधीक्षक राजगढ़ अमित तोलानी के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के. एल. बंजारे के नेतृत्व तथा सभी अनुविभागीय अधिकारियों, थाना प्रभारियों और सायबर सेल टीम के समन्वित प्रयासों से जिलेभर में संचालित किया गया।

यह का अभियान का उद्देश्य न्यायालयों से लंबित गिरफ्तारी वारंट, स्थायी वारंट लिए सदैव तत्पर है।

बैकुंठ चतुर्दशी आज, कल कार्तिक पूर्णिमा, नेवज में होगा दीपदान, दुर्गंध और कचरे से होगी परेशानी

डीआर संवाददाता ▶▶ राजगढ़

आज बैकुंठ चतुर्दशी और कल कार्तिक पूर्णिमा पर नेवज नदी के छोटे पुल स्थित घाट पर दीपदान करने जाने वाली हजारों महिलाओं और श्रद्धालुओं को इस बार गंदगी और दुर्गंध के बीच पूजा और दीपदान करना पड़ेगा।

दरअसल, नगरपालिका ने विसर्जन के लिए बनाए गए अस्थायी कुंड और घाट की अब तक सफाई नहीं करवाई है। करीब एक माह पहले 1 और 2 अक्टूबर को हुए विसर्जन के बाद से कुंड और घाट दोनों जगह मूर्तियों के अवशेष, फूल–मालाएं और कचरा जमा है।

बारिश और कुंड में जमा पानी के कारण ये अवशेष सड़ने लगे हैं। अब इनसे तेज दुर्गंध फैल रही है। घाट के पास से गुजरने वाले लोगों को भी तेज बदबू के बीच से गुजरना पड़ रहा है। नदी तट और पुल के आसपास फैली गंदगी ने नेवज नदी की सुंदरता बिगाड़ दी है, वहीं कुंड में पानी का बहाव भी बंद पड़ा है। कार्तिक माह की चतुर्दशी और पूर्णिमा पर हर साल हजारों महिलाएं पारंपरिक रूप से दीपदान के लिए यहां पहुंचती हैं। सुबह चार बजे से देर रात तक दीपदान का क्रम चलता है। इस बार आज और कल होने वाले दीपदान के दौरान नदी और अन्य जलाशयों की पर्यावरणीय सुरक्षा को देखते हुए नेवज स्वच्छ विकास समिति अध्यक्ष साकेत शर्मा ने सभी श्रद्धालुओं से आटे से बने दीपकों का ही दान करने की अपील की है। आटे से बने दीपक पानी, पर्यावरण और जलीय जीव सभी के लिए सुरक्षित है।

मक्का थ्रेशिंग के दौरान ट्रैक्टर में लगी आग

डीआर संवाददाता ▶▶ अशोकनगर

अशोकनगर के करैया राय गांव में मक्का की थ्रेशिंग के दौरान एक ट्रैक्टर में आग लग गई। शनिवार शाम करीब 5:30 बजे हुई इस घटना में लाखों रुपए के नुकसान की आशंका है। हालांकि, किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

जानकारी के अनुसार, थ्रेशिंग मशीन ट्रैक्टर से जुड़ी हुई थी, तभी अचानक ट्रैक्टर के इंजन के पास से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते आग भड़क उठी और उसने पूरे ट्रैक्टर को अपनी चपेट में ले लिया।

आग इतनी तेजी से फैली कि आसपास रखी मक्के की फसल और सूखी झाड़ियां भी जलकर राख हो गईं। स्थानीय लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक ट्रैक्टर पूरी तरह जल चुका था।

घटना का वीडियो भी साझा किया है। स्थानीय विधायक इंजीनियर हरिबाबू राय ने भी सोशल मीडिया पर घटना की जानकारी साझा करते हुए किसानों से सावधानी बरतने की अपील की है।

एक बगिया मां के नाम' से 810 दीदीयां करेंगी फलदार पौधरोपण

डीआर संवाददाता ▶▶ राजगढ़

जिला पंचायत सभागार में सोमवार को मुख्य कार्यपालन अधिकारी इच्छित गढ़पाले के निर्देशन में एक बगिया माँ के नाम परियोजना से जुड़ी हितग्राहियों की कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें राजगढ़ और जीरापुर विकासखंड की आजीविका मिशन से जुड़ी दीदियों ने भाग लिया।

परियोजना के तहत जिले की 810 स्व–सहायता समूह की महिलाएं करीब 800 एकड़ भूमि पर फलदार पौधरोपण कर रही हैं। प्रत्येक दीदी को आधा से एक एकड़ क्षेत्र में पौधरोपण के लिए 1.50 से 2.10 लाख रुपये तक की सहायता दी जा रही है। सिपरी मोबाइल एप्लिकेशन के माध्यम से उपयुक्त भूमि का परीक्षण कर हितग्राहियों का चयन किया गया है। जिले की 24 कृषि सखियां पौधरोपण में तकनीकी मार्गदर्शन दे रही हैं। तीन वर्षों में पौधों से उत्पादन शुरू होगा, जिससे प्रत्येक महिला को 70–80 हजार रुपये वार्षिक आय की संभावना है।

सिपरी सॉफ्टवेयर से किया हितग्राहियों का चयन

समूह की दीदीयों को हितग्राही के रूप में चयन करने के लिये कृषि सखियों द्वारा सिपरी मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग किया गया।

145 गांवों के किसानों को राहत राशि के प्रकरणों का किया गया निराकरण

डीआर संवाददाता ▶▶ राजगढ़

राजगढ़ जिले में बाल विवाह और कुपोषण की बढ़ती घटनाओं को लेकर सियासत तेज हो गई है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता और राज्यसभा सांसद "दिग्विजय सिंह" ने इन मामलों को बेहद गंभीर बताते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से तत्काल सख्त कदम उठाने की मांग की है।

दिग्विजय सिंह ने दावा किया कि "पिछले छह महीनों में राजगढ़ जिले में 75 नाबालिग बच्चियों की शादी हुई", जिनसे से "52 ने कुपोषित बच्चों को जन्म दिया" जबकि 10 नवजातों की जन्म के एक माह के भीतर ही मौत हो गई"। उन्होंने कहा कि वास्तविक आंकड़े इससे कहीं अधिक हो सकते हैं, जो जिले की "बाल संरक्षण व्यवस्था और पोषण योजनाओं की विफलता" को उजागर करते हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने सत्तारूढ़ दल पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार भले ही बाल विवाह रोकने के दावे करती है, लेकिन "कुछ नेता खुद नाबालिगों की शादी में शामिल होकर कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं"। उन्होंने इसे अत्यंत निंदनीय और दुर्भाग्यपूर्ण बताया। दिग्विजय ने कहा कि "राजगढ़ जिला वर्षों से कुपोषण और बाल विवाह जैसी सामाजिक समस्याओं से जूझ रहा है", लेकिन सरकारी योजनाएं "कागजों और बैठकों" तक सीमित हैं। उन्होंने कहा कि अब वक्त आ गया है कि सरकार केवल घोषणाओं से आगे बढ़कर जमीनी स्तर पर सख्त कार्रवाई करे।

उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया कि "बाल विवाह पर रोक, कुपोषण उन्मूलन और शिशु मृत्यु दर घटाने" के लिए जिले में "विशेष अभियान" चलाया जाए, ताकि इन संवेदनशील मुद्दों पर स्थायी समाधान निकाला जा सके।

प्रसव सिविल अस्पताल में एक 23 वर्षीय महिला ने तीन बच्चियों को जन्म दिया है

ब्यावरा अस्पताल में महिला ने दिया 3 बच्चियों को जन्म, एक की मौत... वजन कम

डीआर संवाददाता ▶▶ ब्यावरा

सिविल अस्पताल ब्यावरा में एक 23 वर्षीय महिला ने तीन बच्चियों को जन्म दिया है। इनमें दो बच्ची 2 नवंबर को हुआ है। जबकि 3 नवंबर को जन्मी बच्ची मृत थी। हालांकि अस्पताल प्रबंधन ने इस डिलीवरी को लेकर विशेष सतर्कता बरती थी, इसलिए बच्चियों का जन्म होते ही तुरंत वजन किया गया। बच्चों का वजन कम होने के कारण रात में ही मां और बच्चियों को राजगढ़ जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

पूजा उम्र 20 साल की थी तो उनका विवाह छनी गांव राजगढ़ निवासी रोहित सौंधिया से हुआ था। पूजा सौंधिया उम्र 23 वर्ष अभी अपने मायके आई हुई थी। इसी बीच उनको बीती रात को प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। परिजन सिविल अस्पताल ब्यावरा लेकर पहुंचे।

चूंकि महिला पहली बार ब्यावरा के अस्पताल में आई थी, इसलिए कोई केस हिस्ट्री अस्पताल प्रबंधन के पास नहीं थी। महिला को 2 नवंबर की रात 8.55 बजे अस्पताल में भर्ती किया गया था। जैसे ही लेबर रूम में नर्सिंग स्टाफ करुणा निगुड़े और स्वस्थिका मराठे ने महिला की फाइल देखी तो वह हैरान रह गईं, क्योंकि सोनोग्राफी में तीन बच्चे दिखाई दे रहे थे। इसके बाद अन्य स्टाफ जरूरी डॉक्टर आरके जैन और ड्यूटी डॉक्टर कपिल गुप्ता को कॉल करके स्थिति बताई गई।

कम वजन की बच गई अधिक वजन की बच्ची मृत पहली बच्ची जो जन्मी उसका वजन 1500 ग्राम था, जबकि दूसरा 1700 ग्राम का था। तीसरी बच्ची जो मृत पैदा हुई उसका वजन 1800 ग्राम था। इनमें पहले जन्मी दोनों बच्चे तो बच गए, जबकि तीसरे बच्चे का वजन पहले से अधिक था, लेकिन मृत पैदा हुई। वजन कम होने के कारण बच्चों एवं मां को रात 2.10 बजे रेफर कर दिया गया।

महिला को प्रसव पीड़ा तो हो रही थी, लेकिन डिलीवरी का समय नहीं आया था। ऐसे में अस्पताल के नर्सिंग स्टाफ को समय मिला और तुरंत सारे उपकरण एवं अन्य जरूरी इंतजाम किए गए। जिसके बाद महिला को भी प्रसव पीड़ा तेज हो चुकी थी। रात 10.36 बजे पहली बच्ची का जन्म हुआ। इसके बाद दूसरी बच्ची रात 11.40 बजे जन्मी, जबकि तीसरी बच्ची ने रात 12.9 बजे यानि 3 नवंबर को जन्म लिया। हालांकि तीसरी बच्ची मृत पैदा हुई थी।

मीट की अवैध दुकानें, पार्षद की शिकायत पर प्रशासन ने हटवाई

डीआर संवाददाता ▶▶ राजगढ़

शहर के बीचोंबीच स्थित पुराने बस स्टैंड परिसर में लंबे समय से संचालित अस्थायी मटन मार्केट को सोमवार शाम को नगर पालिका और पुलिस की संयुक्त टीम ने हटवा दिया। सड़क पर लगी दुकानों को हटवाकर परिसर को पूरी तरह खाली कराया। यह कार्रवाई वार्ड क्रमांक 4 की पार्षद सरोज कटारिया की शिकायत के बाद की गई। दरअसल नगर पालिका द्वारा पूर्व में मीट मार्केट परिसर मुख्य सड़क से दूर बनाया गया था, लेकिन कई दुकानदार वहां जाने की बजाय मुख्य मार्ग पर ही मटन–मछली की दुकानें लगाते थे। दुकानों से उठने वाली दुर्गंध और गंदगी के कारण आसपास के दुकानदारों, यात्रियों और राहगीरों को भारी परेशानी हो रही थी। स्थानीय पार्षद सरोज कटारिया ने इस संबंध में एसडीएम और नगरपालिका अधिकारियों को प्राप्त शिकायत कार्रवाई की मांग की थी। शिकायत के बाद सोमवार को पुलिस बल और नपा अमले ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अस्थायी बाजार हटाया। उल्लेखनीय है कि इससे पहले इसी परिसर में संचालित शराब दुकान को भी हटवाया जा चुका है। अब रहवासियों की मांग है कि खाली हुई इस जगह पर फल–सब्जी बाजार विकसित किया जाए। उनका कहना है कि शहर का मुख्य सब्जी बाजार वार्ड 04 से काफी दूर है, जिससे कालाखेत, अस्पताल रोड, पुरा, इंग्ले कॉलोनी और रामलीला कॉलोनी के लोगों को असुविधा होती है।